वर्ष-15, अंक-165
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

# सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 20 सितम्बर 2024


**आज का विचार**

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है।- लोकमान्य तिलक

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM




आस्था से खिलवाड़! आंध्रप्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के आरोप से मचा हड़कंप

## तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डुओं में जानवरों की चर्बी?

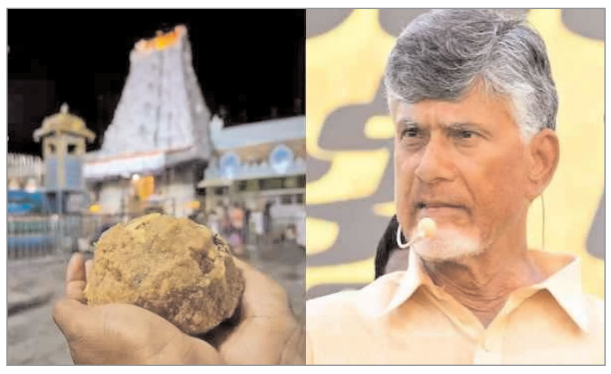





**हैदराबाद।** आंध्रप्रदेश के तिरुपति स्थित तिरुमाला मंदिर के प्रसाद के लिए इस्तेमाल हुए घी में एनिमल फैट मिला है। एक लैब रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पिछली सरकार पर तिरुमाला के प्रसाद में मिलावट करने का आरोप लगाया। इस आरोप से हड़कंप मच गया है, क्योंकि यह आस्था से खिलवाड़ का मामला है। सीएम चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी ने सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइवस्टॉक एंड फूड (सीएएलएफ) लैब की रिपोर्ट जारी करके हुए बताया है किवाईआरएस पार्टी की सरकार के समय तिरुपति मंदिर के प्रसाद के तौर पर लड्डुओं में इस्तेमाल किए गए घी में पशुओं की चर्बी मिली है। सीएएलएफ लैब रिपोर्ट के मुताबिक, घी में फिश ऑयल और बीफ टैलो के अंश मिले हैं। इसमें कुछ मात्रा में लार्ड भी मिला है। लार्ड सूअर के फैटी टिश्यू से निकाला गया सेमी सॉलिड व्हाइट फैट होता है। तिरुपति मंदिर भगवान विष्णु के अवतार श्री वेंकटेश्वर को समर्पित है। यह मंदिर तिरुपति जिले में तिरुमाला पहाड़ी पर बना है। यह तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर का संचालन तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) करता है।

**अब पवित्रता की रक्षा के लिए कर रहे कड़ी मेहनत-** चौंकाने वाली बात यह है कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में यह प्रसाद न सिर्फ श्रद्धालुओं को दिया जाता है, बल्कि यही लड्डू भगवान को भी चढ़ाया जाता है। लैब रिपोर्ट के हवाला देते हुए मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लड्डुओं को बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले घी में एनिमल फैट को वाईआरएस कांग्रेस और पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी की आलोचना की है। सीएम ने कहा कि हालांकि अब हम प्रसादम में शुद्ध घी का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की पवित्रता की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

**चंद्रबाबू पर राजनीतिक फायदा उठाने का आरोप-** वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता बी. करुणाकर रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि सीएम नायडू ने केवल राजनीतिक फायदा उठाने के लिए तिरुपति मंदिर के लड्डुओं को बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। तिरुपति में विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर के दो बार अध्यक्ष रह चुके बी. करुणाकर रेड्डी ने आरोप लगाया कि नायडू ने विपक्षी पार्टी और राज्य के पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी को निशाना बनाने के उद्देश्य से ऐसा कहा है। बी. करुणाकर रेड्डी ने कहा कि वाईएसआरसीपी, वाईएस जगन मोहन रेड्डी और पिछली सरकार पर हमला करने के लिए नायडू यह घिनौना आरोप लगाया कि स्वामी (देवता) के लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया गया था। यह निंदनीय है।

**...तो भगवान महाविष्णु नष्ट कर देंगे-** करुणाकर रेड्डी ने हैरानी जाहिर करते हुए कहा कि क्या लड्डू में जानवर की चर्बी मिलाना संभव है? उन्होंने कहा कि यदि कोई ऐसा करता है तो भगवान महाविष्णु उसे नष्ट कर देंगे। वाईएसआरसीपी नेता ने दावा किया कि देवता नायडू और उनके परिवार को सजा देंगे।

इंदौर में कांग्रेस की न्याय यात्रा...

## ट्रैक्टर पर सवार होकर निकले दिग्विजय और जीतू पटवारी, पुलिस ने रास्ता रोकने खड़े कर दिए डंपर





**इंदौर।** मध्य प्रदेश में कांग्रेस किसानों के मुद्दों को लेकर हर जिले में न्याय यात्रा निकाल रही है। इंदौर में किसान न्याय यात्रा में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हो रहे हैं। दोनों नेता ट्रैक्टर पर सवार होकर निकले है। इधर पुलिस ने रास्ते में डंपर खड़े कर दिए.इसके बाद पुलिस ने सिर्फ उसी ट्रैक्टर को निकलने की अनुमति दी, जिस पर दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी सवार थे। कांग्रेस की न्याय यात्रा को रोकने के लिए पुलिस ने रास्ता जाम कर दिया है। इस दौरान सैकड़ों राहगिर भी परेशान हो गए। प्रदेश कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन के लिए किसानों की घटती आय और उपज के सही दाम नहीं मिलने को मुद्दा बनाया है। कांग्रेस मांग कर रही है कि सोयाबीन का समर्थन मूल्य 6000 रुपये क्विंटल किया। साथ ही सभी फसलों के लिए समर्थन मूल्य गारंटी कानून लागू हो। प्रदेश अध्यक्ष पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री ट्रैक्टर पर सवार होकर रीजनल पार्क से कलेक्टर कार्यालय के लिए रवाना हुए हैं। अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता व नेता भी अलग-अलग दिशाओं से कलेक्टोरेट पहुंच रहे हैं। बुरहानपुर में शुक्रवार को कांग्रेस और किसान नेताओं ने किसान और बुनकर न्याय यात्रा का आयोजन किया था लेकिन दावों के अनुरूप इस आंदोलन में भीड़ नहीं जुटा पाए। निर्धारित समय के अनुसार सुबह 10 बजे से कांग्रेस शहर अध्यक्ष रिंकू टॉक सहित अन्य नेता किसानों की प्रतीक्षा करते रहे लेकिन वे नहीं पहुंचे।

## केंद्रीय मंत्री का दावाः मदरसों में दी जा रही आतंकवाद की ट्रेनिंग

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता बंडी संजय कुमार ने बुधवार को मदरसों को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि मदरसों में आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में छात्रों को झाडू की मदद से-च-47 राइफल बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मदरसों में हो रही है आतंकवाद की ट्रेनिंग तेलंगाना के करीमनगर जिले में श्री विद्यारण्य अवासा विद्यालयम के नए छात्रावास भवन के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए बंदी संजय ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि कुछ मदरसे छात्रों को आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त कर रहे हैं और सरकार इन संस्थानों को फंड देकर गलत कामों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि सरकार ऐसी संस्थाओं को धन मुहैया करवा रही है जो देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। बंदी संजय ने कहा कि हैदराबाद, सिद्दिपेट या करीमनगर जैसे स्थानों में कुछ मदरसों में छात्रों को 10 से 100 रुपये की छोटी रकम दी जाती है। लेकिन इन मदरसों के अंदर क्या हो रहा है? उन्होंने दावा किया कि दुनिया भर के कई अपराधी जब पूछताछ के दौरान अपने गलत कामों की जानकारी देते हैं, तो वे इन मदरसों की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे अमेरिका, मुंबई या लंदन में बम धमाके हों, इनका संबंध अक्सर मदरसों से जुड़ा होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार इन मदरसों की गतिविधियों पर ध्यान नहीं देती, बल्कि उन्हें नई तकनीक और शैक्षिक कार्यक्रमों के नाम पर धन मुहैया कराती है।

## 'स्वच्छता ही सेवा'...राष्ट्रपति ने महाकाल मंदिर में की सफाई

**उज्जैन।** उज्जैन में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बाबा महाकालेश्वर के दर्शन करने के बाद मंदिर परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। उन्होंने मंदिर परिसर में कोटितीर्थ के समीप झाडू लगाई। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी स्वच्छता के लिएश्रमदान में शामिल हुए। सफाई करने के बाद राष्ट्रपति ने सफाईकर्मियों से संवाद भी किया। राष्ट्रपति ने स्वच्छता मित्रों के सम्मान समारोह में भी शिरकत की, जहां उन्होंने स्वच्छता मित्रों का सम्मान किया। राष्ट्रपति ने स्वच्छता मित्रों के सम्मान समारोह में कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन आना भाग्य है और यहां स्वच्छताकर्मियों का सम्मान करना मेरा सौभाग्य। स्वच्छता मित्रों को पूरे देश की ओर से मैं धन्यवाद देती हूं और प्रणाम करती हूं। ये अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं। इन्हें आज सम्मानित कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। राष्ट्रपति ने जब यह बात कही, तो कुछ आंखें भावुक होकर बरस पड़ीं, तो कुछ चेहरे खुशी और गर्व से भर गए। ये आंखें और चेहरे उनके थे, जो दशकों से सफाई के काम में जुटे हैं। राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होकर उन्हें लगा जैसे सदियों का दर्द दूर हो गया हो। राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने जनसेवा की शुरुआत स्वच्छता कार्य से ही की थी। मैं नगर परिषद में उपाध्यक्ष थी, तब वार्डों में जाती और सफाई का निरीक्षण करती। अब देश में सफाई के प्रति बदलाव देख खुशी महसूस होती है। स्वच्छ भारत मिशन से बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई है।

## राहुल गांधी के खिलाफ बयान पर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू पर दर्ज हुई एफआईआर



**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर सिखों को लेकर बयान दिया था, जिस पर रवनीत बिट्टू ने उन्हें आतंकी बता दिया था। इसे लेकर खूब हंगामा हुआ और कर्नाटक में रवनीत बिट्टू के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। कर्नाटक के एक कांग्रेस पदाधिकारी ने रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (गलत सूचना के आधार पर बयान देना या अफवाह फैलाना), 192 (दंगे कराने के मकसद से भडकाऊ बयान देना), 196 (दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने) के तहत बंगलूरू के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। वहीं जब रवनीत बिट्टू से मीडिया द्वारा पूछा गया कि क्या उन्हें राहुल गांधी के खिलाफ दिए गए अपने बयान पर खेद है? तो रवनीत बिट्टू ने कहा कि मुझे खेद क्यों होगा? हमने पंजाब में पूरी एक पीढ़ी को खो दिया। गांधी परिवार ने पंजाब को जलाया। मेरा दर्द बतौर एक सिख है। मैं मंत्री बाद में हूं।

## नैनी दून एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश नाकाम, रेलवे ट्रैक पर रखा था खंभा

**रुद्रपुर।** बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र में उत्तराखंड सीमा स्थित रुद्रपुर रेलवे स्टेशन से करीब पांच सौ मीटर दूर रामपुर-काठगोदाम रेलवे लाइन पर बुधवार की देर रात कुछ आसामाजिक तत्वों ने टेलीफोन का पुराना खंभा अवरोध के रूप में पटरियों पर रख कर नैनी जन शताब्दी ट्रेन को पलटने का प्रयास किया। इस दौरान देहरादून से काठगोदाम जा रही रही नैनी जन शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन चालक ने सूझबूझ से इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को ट्रैक पर रोक दिया। इसके बाद खंभे को हटाकर ट्रेन को रेलवे स्टेशन तक ले गया। मामले की सूचना स्टेशन अधीक्षक को दी। इसके बाद अधिकारियों में कुछ आसामाजिक तत्वों द्वारा ट्रेन को पलटने की साजिश की आशंका को लेकर हड़कंप मच गया। रात में ही एसपी विद्यासागर, एएसपी अतुल श्रीवास्तव, एसपी जीआरपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

पूरे विश्व में छाया मप्र का सरकारी स्कूलः इंटरनेशनल लेवल पर नवाचार के लिए दिए जाने वाले अवॉर्ड 'द वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइजेस' में चयन

## दुनिया के टॉप-3 स्कूलों में रतलाम का सीएम राइज स्कूल

**रतलाम।** रतलाम के सीएम राइज विनोबा स्कूल को नवाचार श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल हुआ है। विनोबा स्कूल ने न सिर्फ जिले या मध्यप्रदेश का बल्कि देश का नाम भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। बड़े-बड़े विश्व स्तरीय स्कूलों को पछाड़कर रतलाम का यह शासकीय स्कूल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुआ है। दरअसल इंटरनेशनल लेवल पर एजुकेशन फील्ड में दिए जाने वाले अवॉर्ड 'द वर्ल्ड्स बेस्ट स्कूल प्राइजेस' में इस स्कूल का सिलेक्शन पूरे देश में इनोवेशन कैटेगरी में हुआ है। यह अवॉर्ड ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन 'टी-4 एजुकेशन' देती है। गुरुवार को टी-4 अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा विभिन्न कैटेगरी में पुरस्कार पाने वाले स्कूलों की घोषणा की गई, जिसमें सीएम राइज विनोबा स्कूल का नाम भी शामिल है। शिक्षक गजेंद्र सिंह के अनुसार स्कूल में बच्चों को आधुनिक तकनीक के साथ प्रयोग एक तरीके से शिक्षा देने का प्रयास किया गया है। स्कूल को मिले पुरस्कार के बाद बच्चों और शिक्षकों ने जमकर जश्न मनाया। स्कूल की इस उपलब्धि पर एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने स्कूल पहुंचकर बच्चों और शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने संस्था के प्राचार्य संध्या वोहरा और उप प्राचार्य गजेंद्र सिंह को सम्मानित किया।

**टॉप-3 में यूके का ग्रेंज स्कूल और थाईलैंड का स्टारफिश स्कूल भी-** इनोवेशन कैटेगरी के टॉप-3 में यूके के ग्रेंज स्कूल और थाईलैंड के स्टारफिश स्कूल का भी सिलेक्शन हुआ है। अब 24 अक्टूबर को इन्हीं तीन स्कूलों में से टॉप फर्स्ट स्कूल का सिलेक्शन होगा। अगर रतलाम का स्कूल टॉप फर्स्ट में आता है, तो 10000 यूके डॉलर यानी 8 से 8.30 लाख रुपए स्कूल को मिलेंगे। स्कूल के टॉप-3 में शामिल होने की लाइव स्क्रीनिंग पर घोषणा होते ही स्कूल प्रिंसिपल संध्या वोहरा, वाइस प्रिंसिपल गजेंद्र सिंह राठौर के साथ स्कूल स्टाफ और पेरेंट्स भी झूम उठे। स्कूल में मौजूद कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप, महापौर प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा, डीईओ केसी शर्मा ने भी खुशी मनाई।

**अब बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं पैरेंट्स-** स्कूल के उप प्राचार्य गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि यहां पढ़ने वाले 577 छात्रों में से 525 छात्रों ने अलग-अलग क्षेत्र में अचीवमेंट हासिल किया है। यही वजह है कि मोटी फीस देकर बड़े निजी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाने वाले पैरेंट्स अब बच्चों का दाखिला इस सरकारी स्कूल में करवाना चाहते हैं। इस स्कूल को लाइट हाउस भी बनाया गया है, जिसके माध्यम से अब अन्य स्कूल भी यहां के प्रदर्शन से प्रेरणा ले सकेंगे। गौरतलब है कि सीएम राइज स्कूल पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक था, जिसकी नींव उनके कार्यकाल में रखी गई थी।

**पांच कैटेगरी में दिए जाते हैं अवॉर्ड-** 'टी-4 एजुकेशन' 5 कैटेगरी में में अवॉर्ड देती है। ये हैं- कम्युनिटी कोलैबोरेशन, एनवायरमेंटल एक्शन, इनोवेशन, ओवरकमिंग एडवर्सिटी, फॉर सपोर्टिंग हेल्दी लाइव्स।

**साइकिल ऑफ ग्रोथ मेकैनिज्म-** दो साल पहले विनोबा स्कूल में वाइस प्रिंसिपल गजेंद्र सिंह राठौर ने जॉइन होने के बाद स्टूडेंट की कम उपस्थिति और दक्षता में कमी पर स्कूल के शिक्षकों के साथ मिलकर 'साइकिल ऑफ ग्रोथ मेकैनिज्म' का प्लान किया। इसमें टीचर्स के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए टीम हडल और कैप्सूल ट्रेनिंग, क्लासरूम मॉनिटरिंग, वन ऑन वन फीडबैक, रीवॉर्ड एंड रिकगनाइजेशन की नवाचारी सकारात्मक चक्रीय योजना बनाई। इस योजना में 'विनोबा मॉडल ऑफ पेरेंटल एंगेजमेंट', 'कम्युनिटी एसए लर्निंग रिसोर्स', 'इनोवेटिव आइडिया ऑफ ट्रैकिंग डाटा', नियमित गतिविधियों का डिस्ट्रिब्यूटेड मॉडल, असेसमेंट की नई-नई विधियां आदि कई नवाचार टीचर्स के माध्यम से जोड़ते गए।

**दुनियाभर के स्कूलों से मांगे गए थे आवेदन-** विश्वव्यापी संस्था टी-4 एजुकेशन द्वारा दुनियाभर के स्कूलों से फरवरी 2024 तक विभिन्न केटेगरी में आवेदन ऑनलाइन मांगे गए। आवेदन लेकर इस साल के प्रतिष्ठित 50 हजार यूएस डॉलर के पुरस्कार की चयन प्रक्रिया शुरू की। प्राप्त हजारों आवेदनों में से शॉर्ट लिस्ट स्कूल्स के रूप में विनोबा स्कूल के वाइस प्रिंसिपल गजेंद्र सिंह राठौर का एक स्कूल लीडर के रूप में इनोवेशन केटेगरी में चयन किया। अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों ने इनका ऑनलाइन इंटरव्यू लिया। पुनः चयनित होने पर डोक्यूमेंट बेस्ट असेसमेंट किया। टीचर्स की विभिन्न स्तरों की ऑनलाइन मीटिंग ली। पहले टॉप 10 और अब अंतिम रूप से टॉप-3 में चयन किया।

**सीएम मोहन यादव ने दी बधाई-** सीएम मोहन यादव ने एक्स पर लिखा कि आज सभी मध्यप्रदेश वासियों के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि रतलाम जिले के विनोबा सीएम राइज स्कूल ने विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार 2024 की 'नवाचार श्रेणी' में शीर्ष 3 फाइनलिस्ट में अपनी जगह बनाई है। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह स्कूल विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के रूप में अपनी जगह बनाएगा।

## कार से हो सकता है कैंसर! 99% कारों में खतरा, चार विभागों को नोटिस

**नई दिल्ली।** देश में 99 फीसदी कारों में आग से बचाव के लिए जिस केमिकल का उपयोग हो रहा है उससे कार सवारों को कैंसर का खतरा है। एनजीटी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित चार विभागों को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया है। इससे पहले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) इन केमिकल के असर की जांच करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उसके पास आवश्यक सुविधा नहीं है। व्यापक स्तर पर लोगों के स्वास्थ्य पर असर को देखते हुए एनजीटी एक रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले पर सुनवाई कर रहा है। एनजीटी के सामने यह जानकारी आई है कि सीट फोम और तापमान नियंत्रित रखने के लिए किए गए उपायों में इन केमिकल का उपयोग होता है। इससे लंबे समय तक कार में मौजूद रहने पर कार चालकों, खासतौर पर बच्चों को कैंसर होने का खतरा होता है। एनजीटी को इस मामले में सीपीसीबी ने रिपोर्ट देकर बताया कि केमिकल टीसीआईपीपी, टीडीसीआईपीपी और टीसीईपी की वजह से कैंसर हो सकता है या नहीं, इसकी जांच के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के पास ही संसाधन मौजूद हैं।

### आठ सप्ताह में देना होगा जवाब

एनजीटी के चेयरमैन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य जस्टिस अरूण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए सेंथिल वेल ने आदेश कर आठ सप्ताह में सभी को इस प्रकरण में जवाब देने के लिए कहा है। सीपीसीबी और आईसीएमआर के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, ऑटोमेटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रशासनिक प्रमुख, नेशनल ऑटोमेटिव टेस्टिंग एंड आरएंडडी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के प्रशासनिक प्रमुख और ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्डस (बीआईएस) के महानिदेशक नोटिस का जवाब अगली सुनवाई से पहले देना होगा।

# डेढ माह में शुरू होगा स्वच्छता सर्वेक्षण इंदौर को सूरत से मिल रही कड़ी टक्कर

**इंदौर।** इंदौर ने आठवीं बार फिर स्वच्छता रैंकिंग में पहला स्थान बरकरार रखने की तैयारी की है,लेकिन इस बार इंदौर को सूरत शहर से कड़ी टक्कर मिल रही है। डेढ़ माह के भीतर देशभर के पांच हजार से ज्यादा शहरों में स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू हो सकता है। इसमें इंदौर और सूरत भी शामिल है। इंदौर ने इस बार सफाई की दिशा में कोई स्वच्छता पाने के लिए बड़ा प्रोजेक्ट को नहीं लाया,लेकिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए नए वाहन खरीदे है। इंदौर की सफाई व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत भी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन और सेग्रिगेशन है।

मेयर पुष्य मित्र भार्गव बोले- तैयारी पूरी मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि स्वच्छता के मामले में इंदौर देशभर में मिसाल है। इसकी मशाल इंदौरवासियों ने थाम रखी है। स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी पूरी है। आठवीं बार भी इंदौर सफाई में नंबर वन रहेगा। उन्होंने स्वीकारा कि दूसरे शहर भी सफाई में बेहतर काम कर रहे है। कम प्रदूषण वाले शहरों में पिछले साल इंदौर पहले स्थान पर था, लेकिन इस बार सूरत ने बाजी मारी है। इंदौर सातवें स्थान पर पहुंच गया है। इसे लेकर मेयर ने कहा कि डाक्यूमेंट सबमिशन में त्रुटियां रही गई थी। इस कारण इंदौर का सातवां नंबर रहा। 40 से ज्यादा सफाई के मापदंडों पर होगा आकंलन स्वच्छता के अलग-अलग मापदंडों को तय किया गया है। सर्वेक्षण में शामिल शहरों का 40 से ज्यादा मापदंडों पर आकंलन होगा। सफाई सिस्टम के अलावा शहरवासियों का फीडबैक, उसकी शिकायतों का निपटान, स्वच्छता में नवाचार, कचरे का पुर्नउपयोग, कचरे का निपटान, जल सरंचना, तालाबों की सफाई, पब्लिक टायलेट सहित अन्य बिन्दू पर टीम सर्वेक्षण करती है और उसके आधार पर नंबर देती है। इस बार सूरत ने किया है यह काम सूरत ने इस डस्टबीन फ्री सिटी, वेस्ट कलेक्शन और सेग्रिगेशन में बेहतर काम किया है। लोगों में जागरुता लाने के लिए जनप्रतिनिधियों व अफसरों को शहर के वार्ड गोद दिए गए। कचरे से कमाई और धूल कम कर शहर का वायु प्रदूषण कम करने में भी सूरत ने इस बार ज्यादा जोर दिया है।

पिछली बार रहे थे ये रिजल्ट 2023 में स्वच्छता में सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला था। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्?टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा था। वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा था। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में महाराष्ट्र को पहला, मध्यप्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला था। 2022 में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर था। 2023 में मध्यप्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला था। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया था। गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहे थे।

# पति पर मारपीट और बेटी को जबरदस्ती ले जाने की कोशिश का केस

**इंदौर।** इंदौर के हीरा नगर में रहने वाली एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट और जबरदस्ती बेटी को ले जाने के प्रयास करने के मामलों में केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। हीरा नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक काजल कुशवाह निवासी मेघूदत नगर की शिकायत पर पुलिस ने राकेश कुशवाह पर केस दर्ज किया है। काजल ने पुलिस को बताया कि वह अपनी 4 साल की बेटी के साथ रहती है और यहां कुक का काम करके उसकी देखभाल करती है। पति आए दिन मारपीट करते और शराब पीकर घर आते थे जिसके चलते ढाई साल पहले उन्हें छोड़ दिया अलग रहने लगी। 16 सितंबर के दिन पति राकेश शराब के नशे में आए और बेटी को ले जाने के लिए जबरदस्ती करने लगे। रोका तो अपशब्द कहे। हाथ मुक्कों से मारपीट करते हुए डंडा उठाकर पीटा। इसके बाद बुधवार को पति अचानक फिर से घर आए। उन्होंने आते ही फिर से अपशब्द कहे और बेटी को गोद में उठा कर जबरदस्ती बाहर लाने की कोशिश की। शोर किया तो वह बाहर की तरफ गए। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करते हुए बाहर निकल गए। पीड़िता बाद में थाने पहुंची और पति पर केस दर्ज कराया है।

## बच्चे के अपहरण के मामले में पुलिस खाली हाथ

### नहीं मिला चार साल का मासूम, पुलिस की 10 टीमें कर रही तलाश

**इंदौर।** इंदौर में 4 साल के मासूम बच्चे के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्चे की तलाश में पुलिस इलाके के दो से चार किलोमीटर परिधि के घरों की तलाशी ले चुकी है। एसडीआरएफ की टीम द्वारा नाले में बच्चे की तलाश की जा रही है। पुलिस की 10 टीमें अलग-अलग स्थानों पर बच्चे की तलाश में जुटी हुई है। बच्चे की सूचना देने वाले को माता-पिता ने एक लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की है। इकलौते बेटे की तलाश में पिता दिन-रात गली-मोहल्ले में भटक रहे हैं, तो वहीं मां का रो-रोकर बुरा हाल है। मां पूजा के मुताबिक मेरा बेटा तो दूध भी अभी भी बॉटल से पीता है। न जाने किस हाल में होगा तीन दिनों से कुछ खाया पिया होगा या नहीं। भूख लगने पर सिर्फ मां को ही बताता है कि भूख लगी है न जाने मेरा बेटा किस हाल में होगा। बड़ी मन्नत और पूजा पाठ के बाद किशु पैदा हुआ था। किशु की चिंता परिजनों का सता रही है। घर की महिलाओं का रो रोकर बुरा हाल है। बच्चा मंगलवार दोपहर से लापता है। किशु मूलतः धार का रहने वाला है। वह अपने पिता राहुल बागबान के मामा के यहां अनंत चतुर्दशी के उद्यापन कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में आया था। यहां मंगलवार दोपहर कार्यक्रम के दौरान वह अचानक लापता हो गया। परिजनों द्वारा हर स्थान पर तलाश करने के बाद इसकी सूचना बाणगंगा पुलिस को दी थी। किशु ठीक से बोल नहीं पाता है। वह सिर्फ मम्मी-पापा ही बोलता है। वह चंचल स्वभाव का है, वह किसी अनजान व्यक्ति से बात नहीं करता है। बैंककर्मी पिता राहुल ने उसके अपहरण की आशंका जताई है। उसकी सूचना देने वाले को पिता ने 1 लाख रुपए इनाम देने की घोषणा की है।

**बच्चे के लापता होने पर पुलिस सक्रिय** बच्चों के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस भी सक्रिय हो गई है। बाणगंगा पुलिस ने 10 टीमें बनाकर अलग-अलग स्थान पर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जिस स्थान पर बच्चा आया था, वहां से 2 से 4 किलोमीटर परिधि के हर मकान की पुलिस तलाशी ले चुकी है। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर निकलने वाली झांकियो में मेला लगाने के लिए बाहर से आने वाले डेरो की पुलिस तलाश कर चुकी है। रेलवे स्टेशन पर भी बच्चे की तलाश की जा रही है। किशु के पिता के मामा के मकान के पीछे बहने वाले नाले में उसकी तलाश करने के लिए एसडीआरएफ की टीम लगाई गई है। एसडीआरएफ की टीम नाले में कई किलोमीटर उसकी तलाश कर चुकी है, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

**सोशल मीडिया की भी ली जा रही मदद** किशु की तलाश के लिए सोशल मीडिया की भी मदद ली जा रही है। सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर उसके लापता होने के मेसेज वायरल किए जा रहे हैं, लेकिन जिन हालातों में किशु लापता हुआ है, उनमें उसके अपहरण की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि फिरौती के लिए अब तक उसके पिता या परिजन के पास कोई कॉल नहीं आया है। अब किशु की तलाश पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है।

## अन्नपूर्णा इलाके में ड्राइवर पर गोली चलाने वाले की हुई पहचान

**इंदौर।** इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में बुधवार सुबह हुए गोलीकांड की कहानी पुलिस ने सुलझा ली है। इसमें एक लड़के की पुलिस सर्चिंग कर रही है। उसने पीड़ित ड्राइवर पर अपने पिता और चाचा के समझौता नहीं करने को लेकर गोलीकांड को अजांम दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस कई फुटेज खंगाले वही टेक्नीकल डेटा के साथ आरोपी तक पहुंची है। डीसीपी जोन 4 ऋषिकेश मीना की टीम ने अन्नपूर्णा में हुए अविनाश उर्फ पिंटू सेन पर हमले के मामले में एक लड़के की पहचान कर ली। पुलिस की टीम उसकी तलाश कर रही है। लड़के ने एक एक्टिवा पर आकर अविनाश उर्फ पिंटू पर उस समय फायर कर दिया था। जब वह अपनी महिला मित्र के साथ जीम से बाहर आ रहा था। इसके बाद वह चाणक्यपुरी चौराहे की तरफ भागा था। बाद में पुलिस ने लगातार फुटेज निकाले और फरियादी से जानकारी मिलने के बाद पूरे मामले की कहानी सुलझा दी है। दरअसल पिंटू सेन ने दो साल पहले 31 लाख की धोखाधड़ी का केस गोलू शुक्ला और मित्यानंद उर्फ मोटू शुक्ला के खिलाफ कराया था। इस मामले में कोर्ट में केस विचाराधीन है। पिंटू पर समझौते को लेकर दबाव बनाया जा रहा था। इस पर पिंटू द्वारा तय राशि में समझौता नही करने को लेकर उनके परिवार का सदस्य ने गोलीकांड को अजांम दिया। हालाकि पुलिस जांच के बाद उन्हें भी आरोपी बना सकती है।

## ट्रेन के समाने छंलाग लगाकर युती ने की खुदकुशी

**इंदौर।** इंदौर के पचंवटी कॉलोनी में अपनी सहेलियो के साथ रह रही एक लड़की ने सुसाइड कर लिया। गुरुवार शाम उसने ट्रेन के समाने छंलाग लगा दी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। वही परिवार को सूचना की गई है। टीआई तारेश सोनी से मिली जानकारी के मुताबिक घटना पंचवटी कॉलोनी की है। यहां पर रहने वाली 20 वर्षीय मंजू शाक्यवार ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। गुरूवार शाम पुलिस ने उसके पास मिली डायरी में नंबर डायल किया तो उसकी सहेली से बात हुई। जिसमें मंजू नाम से उसने शिनाख्त की। सहेली ने बताया कि वह रूम से नीचे उतरकर आई थी। उन्हें लगा 10 मिनट में आ जाएगी। लेकिन काफी देर तक मंजू नही दिखी तो उन्हें लगा कि आसपास कही गई होगी। मंजू का परिवार मूल रूप से ब्यावरा का रहने वाले है। पिता मिस्त्री से जुडा काम करते है। सहेलियों के मुताबिक वह इंदौर में जॉब के लिये पहुंची थी। 10 दिन पहले ही उनके पास रहने आई थी। पुलिस के मुताबिक मौके से सुसाइड नोट नही मिला है। रूम पर जाकर सुबह सुसाइड नोट को लेकर जांच की जाएगी।

## तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर रिटायर्ड कर्मचारी की मौत

**इंदौर।** इंदौर के कनाड़िया ब्रिज के पास बुधवार रात एक हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। बताया जाता है कि वे दो माह पहले ही सड़क निर्माण कंपनी से रिटायर्ड हुए थे। वे दूध लेने गए। वहां से वापस आते वक्त सड़क क्रॉस करते समय कार ने उन्हें चपेट में ले लिया था। कनाड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक भीलसिंह(62) निवासी टिगरीया राव को कार नंबर एमपी09जेडबी7382 ने सड़क पार करते वक्त टक्कर मार दी। उन्हें हाथ और पैरो में चोट आने के चलते उपचार के लिए एमवाय भेजा गया। यहां पर दो घंटे से बाद उनकी मौत हो गई। पोते रोशन ने बताया कि वह घर से आधा किलोमीटर की दूरी पर दूध लेने गए थे। यहीं से वापस आ रहे थे। पुलिस ने मामला जांच में लिया है। भीलसिंह सड़क निर्माण कंपनी में कार्यरत थे। वह दो माह पहले ही इस कंपनी से रिटायर्ड हुए है। उनके परिवार में चार बेटे है। परिवार मूल रूप से राजपुर का रहने वाला है। वह अपने छोटे बेटे नैनसिंह के परिवार और पत्नी बुंदी के साथ रहते थे। भीलसिहं को टक्कर मारने के बाद कार सवार कार को तेजी में भगाते हुए ले गया। लोगों का कहना था कि कार में युवक युवती बैठे थे। पुलिस रास्ते में चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने जब यहां कार रोकी तो उसमें से युवक युवती भाग गए। जिसमें कार चला रहे युवक को पुलिस ने पकड़ लिया।

### मुर्मू बोलीं- महिलाएं आगे आएंगी तभी देश 2047 में दुनिया में सबसे मजबूत देश होगा

# राष्ट्रपति से मेडल पाने वालों में बेटों से आगे रहीं बेटियां

**इंदौर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार शाम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह एक घंटे 20 मिनट तक चला। इस दौरान राष्ट्रपति ने 46 टॉपर्स को मेडल प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा कि आप सबके बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। आज इस विश्वविद्यालय में पदक प्राप्त करने वाली विद्यार्थियों में बेटियों की संख्या बेटों से अधिक है। उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई देती हूं। आज इस अवसर पर इंदौर शहर के लोगों को भी बधाई देती हूं। लगातार 7 बार भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम स्थान पर आने वाले इंदौर के लोगों ने असाधारण उदाहरण पेश किया। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की तरक्की में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है। महिलाएं आगे आएंगी तभी देश 2047 में दुनिया में सबसे मजबूत देश होगा। मंच पर पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन, उच्च शिक्षा मंत्री मप्र शासन इंदर सिंह परमार, मप्र सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर भी मंच पर मौजूद थे। इससे पहले राष्ट्रपति सुबह इंदौर से उज्जैन के लिए रवाना हुई। वे उज्जैन में 3 घंटे रहीं। यहां सफाई मित्र सम्मेलन में शामिल होने के अलावा उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे का वर्चुअल भूमि पूजन किया। महाकाल मंदिर के गर्भगृह में पूजन के साथ महाकाल लोक का भ्रमण भी किया।

**कुछ विद्यार्थियों को मिले दो-दो गोल्ड मेडल-** राष्ट्रपति ने अलग-अलग कोर्स के 46 टॉपर्स को गोल्ड और सिल्वर मेडल दिए। इनमें इंजीनियरिंग, साइंस, आर्ट्स, कॉमर्स, मैनेजमेंट सहित विभिन्न कोर्स में वर्ष 2023 में टॉप करने वाले छात्र शामिल रहे। 11 छात्राओं व दो छात्रों के नाम सिल्वर मेडल पाने वालों में भी थे। आईएमएस की छात्रा मुस्कान पारिक, एमए की आसरा हुसैन, बीए संस्कृत की टॉपर डिम्पल यादव और कॉमर्स के यश शर्मा को दो-दो गोल्ड मेडल मिले। समारोह में इंजीनियरिंग कर चुके शुभ लाड को चार पदक दिए गए। तीन विद्यार्थियों को तीन और 13 छात्र-छात्राओं को दो-दो पदक दिए गए। पदक हासिल करने वालों में छात्राओं की संख्या ज्यादा है। समारोह में मेडल पाने वाले छात्रों के अभिभावक भी शामिल हुए।

**शिक्षा का महत्व समझती थीं देवी अहिल्या-** राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि इंदौर शहर के नागरिकों ने अपनी मेहनत से स्वच्छता में असाधारण उदाहरण पेश किया है। देवी अहिल्या शिक्षा का महत्व समझतीं थी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए जीवनभर काम किया। उन्होंने अपने आत्मविश्वास से बड़े निर्णय लिए और समाज को मजबूत किया। देवी अहिल्या की मेहनत का परिणाम है कि आज मेडल प्राप्त करने में बेटों से ज्यादा बेटियां हैं। भारत 2047 में दुनिया का सबसे मजबूत देश होगा जिसमें आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका सबसे अधिक होगी। इसलिए उन्हें उच्च शिक्षित करें।

**राष्ट्रपति ने शिक्षकों से की यह अपील-** राष्ट्रपति ने कहा कि मैं सभी शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों को कहना चाहती हूं कि बेटियों को उच्च शिक्षा हासिल करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर आपके सहयोग और मार्गदर्शन से हमारी बेटियां बड़े सपने देखेंगी और उन्हें साकार करेंगी, तभी सही मायनों में आप देश के विकास में भागीदार बन सकेंगे।

**देवी अहिल्या ने खुद के लिए कुछ नहीं रखा-** कार्यक्रम में कुलाधिपति मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी संबोधित किया। कुलाधिपति मंगूभाई पटेल ने कहा कि इंदौर शहर ने स्वच्छता में जो मुकाम पाया वह नागरिकों की मेहनत से मिला। उन्होंने देवी अहिल्या के संघर्षों को बताते हुए कहा की उन्होंने जीवन में खुद के लिए कुछ भी संचित नहीं किया। जनता के लिए सबकुछ समर्पित कर दिया।

**सीएम बोले- देवी अहिल्या की तरह हमारी राष्ट्रपति ने भी संघर्ष किया-** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देवी अहिल्या ने संघर्षों के बीच शिक्षा प्राप्त की और धर्म के प्रचार के लिए पूरे भारत में काम किया। छात्रों के लिए उनका पूरा जीवन प्रेरणा है। उन्होंने उस दौर में काम किया जब मंदिर ध्वस्त किए जा रहे थे, अंग्रेजों का शासन था। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने सबसे बेहतर सुशासन करके दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा की जिस तरह से देवी अहिल्या ने संघर्ष किया उसी तरह हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कड़े संघर्षों के बीच शिक्षा प्राप्त की और राष्ट्रपति पर तक पहुंची। सीएम ने कहा कि भारत में सबसे पहले नई शिक्षा नीति लागू करने का अवसर मध्यप्रदेश को मिला, यह हमारे लिए गौरव की बात है। ये भी हर्ष का विषय है कि आज इसी मंच से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को नैक द्वारा ए+ ग्रेड से सम्मानित किया गया है। यह हमारे शिक्षा के उत्कृष्टता की दिशा में उठाए गए कदमों का प्रमाण है।

**उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे का भूमिपूजन किया** इंदौर से पहले राष्ट्रपति ने उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे का वर्चुअल भूमि पूजन भी किया। कार्यक्रम के बाद महाकाल मंदिर में पंचामृत अभिषेक पूजन किया। महाकाल लोक भी देखा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकाल मंदिर में झाड़ू लगाकर सफाई भी की। इसके बाद सफाई मित्र सम्मेलन में सफाई मित्रों को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन में सदियों से संस्कृति और सभ्यता की परंपरा निरंतर अस्तित्व में बनी हुई है। उज्जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार का केंद्र भी रहा है। उन्होंने कहा- मैंने अपनी जनसेवा की यात्रा स्वच्छता के कार्य से ही की थी। नोटिफाइडड एरिया काउंसिल की अध्यक्ष रहने के दौरान मैं प्रतिदिन एक वार्ड से दूसरे वार्ड जाती थी। सफाई कार्य का निरीक्षण करती थी। इस दौरान अच्छे कामों को देखकर खुशी होती थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी अभियान बन गया है। इससे देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि मध्यप्रदेश के कई शहरों को सफाई मित्र सुरक्षित शहर घोषित किया गया है। राष्ट्रपति ने सफाई मित्र सम्मेलन में अपने संबोधन की शुरूआत और अंत जय महाकाल के जयघोष के साथ किया।

## पुलिस की हिरासत में पीडब्ल्यूडी कर्मचारी की मौत बहू ने की थी शिकायत

**भोपाल।** भोपाल पुलिस की हिरासत में 55 साल के पीडब्ल्यूडी कर्मचारी की मौत हो गई। पुलिस ने बहू की शिकायत पर उन्हें ऐशबाग थाने बुलाया था। बुधवार शाम पत्नी और बेटे के साथ वे थाने पहुंचे। यहां उनकी तबीयत बिगड़ गई। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर की बदसलूकी से वे दहशत में थे। पत्नी रुबीना ने बताया कि पति को घबराहट हो रही थी, यह बात उन्होंने एसआई को भी बताई। एसआई ने अस्पताल जाने की अनुमति नहीं दी। पति के हाथ-पैर अकड़ने लगे। इस पर एसआई ने कहा कि ड्रामा कर रहा है, तुझे लॉकअप में बंद कर डंडे मारूंगा। इसके बाद वे बेसुध होकर गिर पड़े। आनन-फानन में हमीदिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने घटना की न्यायिक जांच कराने की बात कही है। उन्होंने बताया कि बाग फरहत अफजा निवासी मोहम्मद अकरम (55) पीडब्ल्यूडी में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी थे। भारत टॉकीज स्थित दफ्तर में काम करते थे। बुधवार शाम 7 बजे उनकी 19 साल की बहू दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराने ऐशबाग थाने पहुंची थी। मोहम्मद अकरम की पुलिस हिरासत में मौत की खबर पाते ही उनके घर के बाहर रिश्तेदार और जान-पहचान वाले लोग जमा हो गए। इस दौरान थाने का घेराव करने की बात की जाने लगी। हालांकि, अधिकारियों की समझाइश के बाद थाने के बाहर किसी तरह का प्रदर्शन नहीं किया गया। एहतियातन थाने के बाहर तीन थानों का पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

## मानसून मेहरबान, 10 साल में चौथी बार 50 इंच से ज्यादा बारिश

**भोपाल।** भोपाल में इस बार मानसून जमकर बरस रहा है। अब तक 50 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है, जो सामान्य बारिश से 33त्न अधिक है। वहीं, पिछले साल की तुलना में करीब 20 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। मौसम विभाग के अनुसार- अभी मानसून को 11 दिन बचे हैं। ऐसे में एक सिस्टम की एक्टिविटी और देखने को मिलेगी। इस दौरान भी बारिश का दौर चलेगा। गुरुवार सुबह से धूप-छांव वाला मौसम है। दोपहर बाद कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी होने का अनुमान है। भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। जिसके मुकाबले 50.1 इंच बारिश हो चुकी है। पिछले साल सामान्य से 18त्न कम यानी, 82त्न (30.9 इंच) बारिश हुई थी। यानी, पिछले साल से इस बार 19.2 इंच पानी ज्यादा गिरा है। सितंबर में बारिश के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम का असर भोपाल में भी देखने को मिला है। हालांकि, अगले कुछ दिन तक बारिश होने का अनुमान नहीं है। 25 सितंबर के बाद बारिश का एक दौर फिर आ सकता है। सितंबर में बारिश का कोटा 7 इंच है। इस बार अब तक 8.6 इंच पानी गिर चुका है। यानी, कोटे से ज्यादा बारिश हो चुकी है। बता दें कि सितंबर में अच्छी बारिश होती है। 65 साल पहले वर्ष 1961 में पूरे महीने 30.2 इंच बारिश होने का रिकॉर्ड है। पिछले साल सितंबर में 12.8 इंच बारिश दर्ज की गई थी।

# तीन साल की मासूम से ज्यादती मामले में रेडक्लिफ स्कूल सील, मान्यता होगी रद्द

### आक्रोशित अभिभावकों और संगठनों ने किया प्रदर्शन

**भोपाल।** राजधानी भोपाल में तीन साल की मासूम से ज्यादती के मामले में रेडक्लिफ स्कूल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। प्रशासन ने स्कूल को सील कर दिया है। स्कूल की मान्यता भी रद्द होगी। आक्रोशित अभिभावकों और संगठनों के प्रदर्शन को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को सुबह से ही आक्रोशित परिजन, एबीवीपी कार्यकर्ता, करणी सेना और संस्कृति बचाओ मंच के कार्यकर्ता स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल की मान्यता रद्द करने और आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। इस मामले में पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना का संज्ञान लेकर आरोपी को सख्त सजा दिलाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने स्पेशल कोर्ट में केस चलाने की बात कही है। भोपाल पुलिस कमिश्नर ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। गुरुवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि स्कूल को सील करने की कार्रवाई की गई है। आगे भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही चार सदस्यीय समिति जांच के लिए बनाई है। यह समिति स्कूल में सुरक्षा इंतजामों को लेकर रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। दूसरी तरफ हिंदू संगठनों का कहना है कि स्कूल की मान्यता रद्द होने तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। बता दें कि भोपाल के रेडक्लिफ स्कूल में बुधवार को तीन वर्षीय बच्ची के साथ ज्यादती का मामला सामने आया था। बच्ची की मां को बेटी के प्राइवेट पार्ट में खरोच के निशान देखी। जब उन्होंने बच्ची से पूछा कि कोई आपको बैड टच करता है क्या? इस पर बच्ची ने स्कूल के अंकल वॉशरूम में बैड टच करते हैं। इस पर मां अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंची। इसके बाद बच्ची ने आईटी एक्सपर्ट टीचर को पहचान लिया। आरोपी टीचर कासिम रेहान स्कूल में दो साल से कार्यरत है। वह आईटी टीचर है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी टीम सात दिन में जांच कर चालान पेश कर सकती है। बुधवार को राजधानी भोपाल से एक शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया। जहां तीन वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की वरदात को अंजाम दिया गया। स्कूल के शिक्षक ने ही बच्ची के साथ हैवानियत की। दो दिन पहले हुई इस घटना की शिकायत पीड़िता की मां ने स्कूल प्रबंधन से की थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने अनसुनी कर दी। मंगलवार को मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने स्कूल में जांच पड़ताल करने के साथ ही आरोपित शिक्षक कासिम रेहान को गिरफ्तार कर लिया था।

**प्रशासन ने बनाई जांच समिति-** इसके साथ ही प्रशासन ने एसडीएम की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन कर दिया गया है। 5 सदस्यीय जांच समिति बनाई गई है। इसमें समिति में जिला शिक्षा अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी को भी शामिल किया गया है। एसडीएम अर्चना शर्मा ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन कर रहे संगठनों की मांग है कि जब तक स्कूल की मान्यता रद्द नहीं की जाएगी वे आंदोलन बंद नहीं करेंगे। हंगामा होने के बाद टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा ने मौके पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से बातचीत की। स्कूल के बाहर प्रदर्शन कर रहे संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि आरोपित शिक्षक कासिम रेहान का पुतला जलाया है। इस प्रदर्शन में एबीवीपी, संस्कृति बचाओ मंच के अलावा करणी सेना जैसे संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

**प्राचार्य ने बच्ची के माता-पिता को वापस भेज दिया-** भारत रक्षा मंच के महानगर उपाध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया, बच्ची सोमवार को स्कूल से घर पहुंची तो उसे तकलीफ हो रही थी। उसकी मां ने चेक किया तो उन्हें पता चला कि बच्ची के साथ गलत हरकत हुई है। जब वह स्कूल पहुंची तो प्रिंसिपल ने बच्ची को मां को समझा - बुझाकर वापस भेज दिया। बच्ची को माता-पिता अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने रेप की पुष्टि की।

**एफआईआर दो दिन की देरी से हुई-** योगेंद्र शर्मा ने बताया, पुलिस का रवैया पहले दिन से लेकर अब तक स्कूल प्रबंधन को संरक्षण देने का रहा है। दो दिन की देरी से एफआईआर हुई। जब हिंदू संगठनों ने विरोध किया तो दबाव बना। पुलिस ने कार्रवाई के नाम पर कासिम रेहान को अरेस्ट किया और बिना किसी रिमांड के जेल भेज दिया। आरोपी को बचाने के लिए उसे जेल भेज दिया गया।

**डीसीपी ने कहा- जांच कर रहे हैं-** डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने स्कूल पहुंचकर आरोपी टीचर कासिम की जानकारी जुटाई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस कमिश्नर ने एसआईटी बना दी है, जिसे एएसपी महिला अपराध निधि सक्सेना लीड करेंगी। इसमें कमला नगर थाना प्रभारी और महिला थाना प्रभारी भी हैं। टीम ने जांच भी शुरू कर दी है।

**मान्यता रद्द करने का प्रस्ताव बना रहे-** टीटी नगर एसडीएम डॉ. अर्चना रावत शर्मा ने स्कूल के अंदर से अनाउंस किया कि स्कूल की मान्यता रद्द करने को लेकर प्रस्ताव बना रहे हैं। डॉ. रावत ने धरना दे रहे लोगों को नियम भी समझाया कि यह प्रस्ताव कमेटी में जाएगी। फिर मान्यता रद्द करने की कार्रवाई होगी, इसलिए धरना प्रदर्शन खत्म कर दें। एसडीएम ने बताया कि 4 सदस्यीय जांच समिति 3 दिन में जांच रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। प्रशासन ने स्कूल में छात्र - छात्राओं के सुरक्षा इंतजाम के पॉइंट पर जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जांच समिति ने दिए गए निदेर्शों के तहत स्कूल की जांच शुरू कर दी है।

**स्कूल की मान्यता रद्द होने तक प्रदर्शन करेंगे-** हिंदू संगठनों ने कमला नगर में चक्काजाम कर दिया था। पुलिस ने समझाइश देकर प्रदर्शनकारियों से चक्काजाम खत्म कराया। संस्कृति बचाओ मंच के चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि आरोपी टीचर कासिम रेहान का पुतला जलाया है। स्कूल की मान्यता रद्द नहीं होने तक संबंधित संस्था के बाहर प्रदर्शन जारी रहेगा। मौके पर मौजूद रहे एसडीएम ने स्कूल की मान्यता रद्द करने का आश्वासन दिया है। स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र के पेरेंट्स ने कहा, हमें स्कूल के टीचर्स ने बताया था कि फेक न्यूज है, लेकिन अब पुष्टि हो गई है। इस स्कूल पर बुलडोजर चलाया जाए। आरोपी को फांसी दी जाए। स्कूल में पढ़ने वाले हमारे बच्चों का साल बर्बाद हुआ है। हमें टीसी चाहिए। फीस का पूरा पैसा वापस हो और बच्चों का अच्छे स्कूल में एडमिशन कराया जाए। हम बच्चों को इस स्कूल में नहीं पढ़ाना चाहते हैं।

# झीलों के शहर में बहेंगी साहित्य लहरें

## दो दिन के आयोजन में बिखरेंगे कई रंग

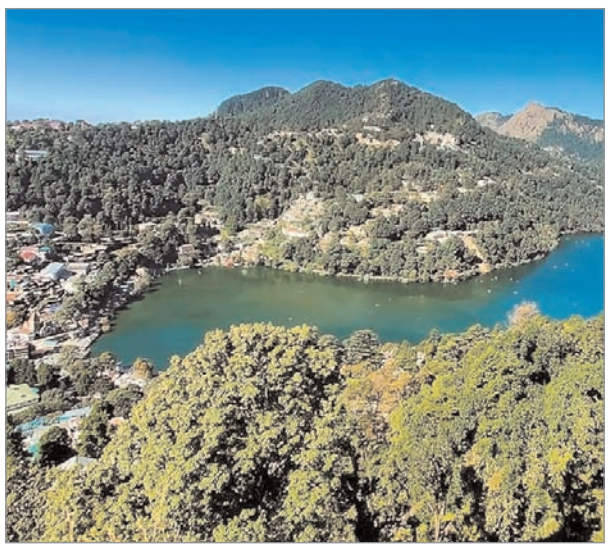

**भोपाल।** भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य का उत्सव मनाने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम, साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत राजधानी भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इस दो दिवसीय सांस्कृतिक समारोह का आयोजन 21 और 22 सितंबर को रविन्द्र भवन ऑडिटोरियम में किया जाएगा। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार), पर्यटन मंत्रालय (भारत सरकार) और आयकर विभाग, भोपाल के सहयोग से आयोजित होगा। साहित्योत्सव में पूरे भारत के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों के साथ उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे गजल, नाटक, मुशायरा एवं कवि सम्मेलन आदि का लुत्फ उठाया जा सकेगा।

**ऐसा होगा आयोजन-** कार्यक्रम की शुरूआत 21 सितंबर को दोपहर दो बजे होगी। कार्यक्रम एक उद्घाटन समारोह के साथ आरंभ होगा। इसके बाद राजभाषा, दरिया प्रेम का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सैयद साहिल आगा द्वारा प्रस्तुत दास्तानगोई इस दिन का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके अतिरिक्त, डॉ. ओम निश्चल, इंदु श्रीवास्तव, रचित दीक्षित, अमन अक्षर और मशहूर कथक नृत्यांगना विधा लाल अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन और पद्मश्री उस्ताद मोहम्मद हुसैन अपनी गजलों से शाम-ए-गजल महफिल में चार चांद लगाएंगे।

**22 सितंबर को बैतबाजी कार्यक्रम-** 22 सितंबर को दोपहर एक बजे से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस दिन एक रोचक बैतबाजी कार्यक्रम होगा, जिसके बाद डॉ. ओम निश्चल हिन्दी राजभाषा के 75 वर्षों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। फिर, प्रोफेसर दानिश इकबाल द्वारा लिखित और अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित नाटक 'कटघरे में गालिब' का मंचन होगा। इसके बाद, प्रसिद्ध अभिनेत्री मेघना मलिक, अभिनेत्री सुनीता राजवार, अभिनेता जमील खान, और कुंवर रंजीत द्वारा ओटीटी और सिनेमा का भाषाई और सामाजिक सरोकार विषय पर एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। दिन का समापन शब्द रंग मुशायरा एवं कवि सम्मेलन के साथ होगा, जिसमें प्रो. वसीम बरेलवी, अकील नोमानी, रमेश शर्मा, कुंवर रंजीत चौहान, कर्नल गौतम राजऋषि, नैना सोइन कपिल-आईआरएस, जावेद मुशीरी, शाकिर देहलवी और अनस फैजी शिरकत करेंगे।

**भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य का उत्सव-** साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब के संस्थापक, कुंवर रंजीत चौहान ने कहा कि साहित्योत्सव जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत 2024 भारतीय कला, संस्कृति और साहित्य का उत्सव है। इसे दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, बिहार, गुजरात और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जा चुका है। इस कार्यक्रम ने भारतीय कला और संस्कृति को जीवंत करने का कार्य किया है।

### गोवा में सराहा गया अपना प्रदेश

# मप्र के साहित्यकारों को मिला आर्म्ड डी सूजा यायावर सम्मान

**भोपाल।** पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग (मेघालय) द्वारा हिंदी दिवस पर गोवा में तीन-दिवसीय विशेष कार्यक्रम द गोल्डन सेंड आडिटोरियम में संपन्न हुआ। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों ने हिस्सा लिया। इस दौरान हिंदी भाषा को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। समारोह के अध्यक्ष शांति कुमार स्याल (पूर्व संपादक राज्य भाषा गृह मंत्रालय) ने की। कार्यक्रम में इंदौर मनपसंद कला साहित्य मंच के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। संस्थापक अध्यक्ष जनार्दन शर्मा की गणेश वंदना से कार्यक्रम का श्रीगणेश हुआ व उनके संचालन में डॉ. रंजना शर्मा, गायत्री शर्मा, सीता सेन, उषा कुशवाह व अन्य कवियों ने हिंदी भाषा के उत्थान के लिए अपने विचार रखे और कविता का पाठ किया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, पंजाब, गुजरात, शिलांग, केरल, महाराष्ट्र, बैगलौर आदि स्थानों से आए कवियों ने भी अपने उद्बोधन में हिंदी भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा देने की पुरजोर बात कही। इस अवसर पर पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अकेला भाई ने संस्था के इस अठारहवें साल के कार्यक्रम के बारे में बताया कि किस तरह से प्रतिवर्ष विभिन्न राज्यों में हिंदी भाषा के लिए यह कार्यक्रम करते रहे हैं। हाल ही में भूटान में भी ऐसा ही कार्यक्रम संस्था ने किया गया था। कार्यक्रम के अंतिम दिन सभी साहित्यकारों को आर्म्ड डी सूजा यायावर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंदौर के साहित्यकारो ने लघु नाटिका की प्रस्तुति भी दी। अंत में आभार अजय कुलश्रेष्ठ ने व्यक्त किया।

## रेस्टोरेंट में भारी गंदगी के बीच बना रहे थे खाना, फूड लाइसेंस सस्पेंड

**भोपाल।** राजधानी भोपाल के होटल में खाना खाने से पहले वहां की साफ सफाई का मुयाना कर ले क्योंकि यहां कई होटलों में भारी गंदगी के बीच ग्राहकों को खाना परोसा जा रहा है। गुरुवार को ऐसा ही मामला सामने आया है। दरअसल राजधानी भोपाल के जेके रोड स्थित एसके रेस्टोरेंट एंड ढाबा का फूड लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम यहां जांच के लिए पहुंची थी। इस दौरान सड़ी प्याज पर कीड़े रेंग रहे थे। वहीं, किचन में गंदगी पसरी हुई थी। इसके चलते यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान टीम ने देखा कि सड़ी प्याज के ढेर पर मक्खियां भिनभिना रही हैं और कीड़े रेंग रहे हैं। किचन में गंदगी के साथ चूहों का मल भी पड़ा था। गंदगी और बदबूदार स्थिति में खाना बनाया जा रहा है। यह नजारा देख फूड इंस्पेक्टर की टीम भी दंग रह गई थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जगदीश प्रसाद लववंशी ने बताया कि निरीक्षण में इस प्रतिष्ठान की रसोई में अत्यंत अस्वच्छ और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में भोजन तैयार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के एस के रेस्टोरेंट एण्ड ढाबा का खाद्य पंजीयन निलंबित कर दिया गया है। निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार, प्रतिष्ठान के संचालक खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत निर्धारित नियमों का पालन करने में असफल रहे हैं।

# भोपाल वन विहार की एकमात्र सफेद बाघिन रिद्धि की मौत

**भोपाल।** भोपाल वन विहार नेशनल पार्क की एकमात्र सफेद बाघिन रिद्धि की मौत हो गई है। 15 साल की टाइग्रेस रिद्धि की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। बताया जा रहा है कि पिछले 2 दिन से वह खाना भी नहीं खा रही थी। गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार 4 साल की उम्र में रिद्धि को इंदौर के जू से वन विहार में दिसंबर 2013 में लाया गया था। तब से वह वन विहार में टूरिस्ट्स के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई थीं। पर्यटक खासतौर पर सफेद बाघिन को देखने लिए ही यहां आते थे। वन विहार में उसे डिस्प्ले वार्ड में रखा गया था। वह इंदौर जू से आदान-प्रदान योजना के तहत वन विहार में लाई गई थी। पोस्टमार्टम में प्रथम दृष्टया मौत का कारण वृद्धावस्था के कारण आंतरिक अंगो का काम न करना पाया गया है। मृत सफेद बाघिन का सैंपल जांच के लिए स्कूल आफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक हेल्थ जबलपुर भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद मृत बाघिन का नियमानुसार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में वन संरक्षक भोपाल वृत भोपाल, संचालक वन विहार एव अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में दाह संस्कार किया गया।

**इंदौर के जू से भोपाल लाया गया था-** 4 साल की उम्र में रिद्धि को इंदौर के जू से वन विहार में 28 दिसंबर 2013 में लाया गया था। वह इंदौर जू से आदान-प्रदान योजना के तहत वन विहार में लाई गई थी। सफेद बाघिन रिद्धी की 18-19 सितंबर की रात में मौत हुई। गुरुवार सुबह वह अपने हाउस में पड़ी मिली। वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता ने जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इससे पहले बुधवार को वह अपने हाउसिंग में सामान्य हालत में ही थी। वन विहार प्रबंधन के अनुसार, पिछले 2 दिन से रिद्धी ने अपना नियमित भोजन नहीं लिया था। हालांकि, ऐसा वह सामान्य रूप से अकसर करती रही है।

**जबलपुर भेजे गए सैंपल-** बाघिन का पोस्टमार्टम वन विहार के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता, सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. हमजा नदीम फारूखी, वाइल्ड लाइफ एसओएस डॉ. रजत कुलकर्णी ने संयुक्त रूप से किया। मृत्यु का कारण वृद्धावस्था के कारण अंदरूनी अंगों का काम न करना पाया गया। मृत सफेद बाघिन का सैंपल जुटाकर परीक्षण के लिए स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक हेल्थ जबलपुर भेजे गए हैं।

**भोपाल वन विहार में अब 15 बाघ बचे-** वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके सिन्हा ने बताया कि वन विहार में अब 15 बाघ बचे हैं। अमूमन जंगल में रहने वाले एक स्वस्थ्य बाघ की उम्र 12 से 13 साल तक रहती है। जू में उनकी उम्र 15-16 साल तक होती है। ऐसे में रिद्धि अच्छी जी ली। हालांकि, सफेद बाघ ज्यादा स्वस्थ्य नहीं होते हैं। जीन में परिवर्तन की वजह से यह सफेद होते हैं।

**इंदौर के चिड़ियाघर में हैं तीन रंग के बाघ-** बाघ के लिए देशभर में इंदौर का कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय ख्यात है। ओडिशा के नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क के बाद देश का इंदौर देश का दूसरा चिड़ियाघर है, जहां तीन रंग के बाघ दर्शकों को देखने को मिलते हैं। इसके चलते यहां बाघ को देखने के लिए देशभर से दर्शक आते हैं। यहां बाघों की देखरेख इस तरह से की जाती है कि यह बाघों के प्रजनन के मामले में भी अव्वल है। पिछले 8 साल में यहां जन्मे 20 बाघ देश के अन्य शहरों के 10 चिड़ियाघरों की रौनक बने हुए है। वन्य प्राणी विनिमय कार्यक्रम में इनके बदले चिड़ियाघरों को 20 से अधिक प्रजातियों के अन्य वन्य प्राणी मिले है। बाघों के संरक्षण के लिए सरकार, वन विभाग, पर्यावरण प्रेमी तो अपने-अपने स्तर पर सक्रिय हैं। इसमें स्थानीय चिड़ियाघर भी अहम भूमिका निभा रहा है।

**इंदौर में औसत आयु से ज्यादा जीते हैं बाघ-** इंदौर चिड़ियाघर में रहने वाले बाघ औसत से ज्यादा आयु तक जीते है। एक करोड़ 70 लाख की राशि से एक एकड़ में यहां 2021 में नया बाड़ा बनाया गया था। इसमें जंगल सा माहौल देने के लिए पत्थरों से पहाड़, तालाब, मचान और गुफा बनाई है। चिड़ियाघर में बाघों की उम्र व संख्या बढ़ने का कारण सही वक्त पर उपचार और सही मात्रा में भोजन मिलना है। हालांकि इस बार बाघ दिवस पर सोमवार को चिड़ियाघर का साप्ताहिक अवकाश होने के चलते दर्शक नहीं देख सकेंगे।

**इंदौर में इस तरह होती है बाघों की देखभाल-** इंदौर में बाघों की देखरेख में सेंट्रल जू अथर्टी के नियमों का पालन सख्ती से किया जाता है। आहार में उन्हें हर दिन 8 किलो मांस दिया जाता है। सप्ताह में एक दिन उपवास भी रखते हैं। 2 महीने में एक बार पेट के कीड़े मारने की दवाइयां दी जाती हैं। शिकार या क्षेत्र विशेष के लिए बाघों के बीच संघर्ष नहीं होता, जिससे वे घायल नहीं होते। बाघ की औसत उम्र 16 से 18 वर्ष होती है। चिड़ियाघर में तीन बाघ ऐसे भी रहे हैं, जो औसत से अधिक जीवित रहे। इनमें सफेद बाघ श्यामू 22, पीला बाघ बिहारी 21 व लालू बाघ 24 वर्ष तक जीवित रहा।

## संपादकीय

# इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष का खतरनाक मोड़

हालिया घटनाक्रम इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है।

मंगलवार को लेबनान व सीरिया में एक साथ हुए पेजर धमाकों ने इन देशों को ही नहीं, पूरी दुनिया को चौंकाया। लोगों को समझने में देर लगी कि आजकल उन्नत मोबाइल फोन के दौर में पेजर का इस्तेमाल? दरअसल, तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत इस्राइली फौज व दुनिया में तहलका मचाने वाली खुफिया एजेंसी मोसाद मोबाइल के जरिये अपने कट्टर दुश्मनों को निशाना बनाते रहे हैं। इसी वजह से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के लड़ाके अपनी स्थिति गोपनीय रखने के मकसद से पेजरों का इस्तेमाल सूचना संकेतों के लिये करते रहे हैं। बहरहाल पेजर धमाकों की श्रृंखला में लेबनान में नौ लोगों के मरने व पौने तीन हजार लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। लेकिन वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है। वहीं सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला देखी गई। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष के चिंताजनक स्थिति में पहुंचने का संकेत देता है। युद्ध में इस तरह की रणनीति का पहली बार दुनिया के सामने खुलासा हुआ है, जिसमें अपने विरोधी देश के संचार उपकरणों को निशाना बनाकर हमला किया गया हो। जो इस क्षेत्र में लंबे समय से जारी संघर्ष में परिष्कृत नई रणनीति को ही दर्शाता है। वहीं हिजबुल्लाह की सुरक्षा परत की कमजोरियों को भी उजागर करता है। निस्संदेह, हिजबुल्लाह ईरान समर्थित लेबनान की एक प्रमुख ताकत है, जो उन्नत इस्राइली ट्रैकिंग सिस्टम से बचने के लिये अपेक्षाकृत कम उन्नत तकनीक वाले उपकरण पेजर पर निर्भर रहा है। यही वजह है कि हिजबुल्लाह लड़ाकों, चिकित्सकों तथा नागरिकों द्वारा प्रयोग किये जाने वाले पेजर बेरूत के दक्षिणी उपनगरों व बेका घाटी सहित लेबनान के कई गढ़ों में एक साथ फट गए। अस्पताल की तरफ भागती सैकड़ों एंबुलेंसों से पूरे लेबनान में भय व असुरक्षा का माहौल बन गया। यहां तक कि सीरिया के कुछ हिस्सों में भी धमाकों की गूंज सुनायी दी, वहां भी हिजबुल्लाह के लड़ाके इससे प्रभावित हुए।

बहरहाल, लेबनान व सीरिया में पेजर धमाकों की श्रृंखला पूरी दुनिया को कई सबक देती है कि संकटकाल में अपने संचार नेटवर्क को बाहरी हस्तक्षेप से बचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना जरूरी है। विज्ञान व तकनीकी उन्नति ने युद्धों का पूरा स्वरूप ही बदल दिया है। परंपरागत सेना व सुरक्षा की सारी अभेद्य दीवारें तकनीक के हमलों के आगे बेकार साबित हो रही हैं। बहरहाल, इन हमलों के लिये, इस्राइली खुफिया एजेंसी पर साजिश करने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, इस्राइल ने इन धमाकों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टें बता रही हैं कि निर्माण प्रक्रिया के दौरान पेजर से छेड़छाड़ करके उन्हें धमाकों के मकसद से ज्वलनशील बनाया गया है। जो एक बड़े सुनियोजित ऑपरेशन की ओर संकेत करता है। जिसमें दूर से सुनियोजित तरीके से विस्फोटों को अंजाम दिया गया। इस्राइल ने इन धमाकों के जरिये हिजबुल्लाह को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि भले ही वह गाजा संघर्ष में उलझा हुआ है, इसके बावजूद वह दूसरे मोर्चे पर हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाने की क्षमता रखता है। बहरहाल, यह घटना बताती है कि इस्राइल पर बीते साल हमास द्वारा किए गए हमले व अपहरण की वारदातों के बाद शुरू हुए टकराव का विस्तार होने की आशंका बलवती हुई है। इस्राइल इस समय न केवल हमास बल्कि हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों के हमलों का एकसाथ जवाब दे रहा है। लेकिन इस्राइल की सीमा से लगते लेबनान में ईरान द्वारा दी गई उन्नत मिसाइलों व राकेटों के लगातार हो रहे हमलों के बीच इस टकराव के विस्तार लेने की आशंका बढ़ गई है। अब पेजर धमाकों के बाद हिजबुल्लाह इस्राइल से बदला लेने की बात कर रहा है, जिससे इस संघर्ष के व्यापक रूप लेने के आसार बढ़ गये। पश्चिम एशिया में पहले से ही नाजुक स्थिति जो गाजा संघर्ष के कारण और जटिल हो गई थी, उसे पेजर प्रकरण ने और गंभीर स्थिति में पहुंचा दिया। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम युद्ध के हथियार के रूप में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। हिजबुल्लाह का अर्थ 'अल्लाह की पार्टी' है। हिजबुल्लाह बतौर राजनीतिक दल 1982 में लेबनान के शिया समुदाय के बीच उभरा। इसका गठन मुख्य रूप से इस्राइल के दक्षिणी लेबनान पर कब्जे के जवाब में हुआ था। इस्राइलने 1982 में लेबनान में प्रवेश किया, जिसका उद्देश्य फिलिस्तीनी आतंकवादी संगठनों को दबाना था। हिजबुल्लाह ने केवल सैन्य क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि लेबनान की राजनीति में भी अपनी गहरी पैठ बनाई है। यह अब लेबनान की संसद में एक महत्वपूर्ण दल है और राजनीतिक फैसलों पर भी इसका प्रभाव है। इसकी राजनीतिक और सामाजिक सेवाओं ने इसे लेबनान के शिया मुस्लिम समुदाय के बीच और अधिक समर्थन दिया है।

# 'एक देश एक चुनाव' लुभावना भी और चुनौतीपूर्ण भी

कोविंद समिति की सिफारिशों के अनुसार 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का युगांतरकारी उद्देश्य दो चरणों में लागू होना है, जिसमें पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा का निर्वाचन एक साथ कराना और दूसरे दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के लिए निर्वाचन (पंचायत और नगर पालिका) कराना शामिल है। सिफारिशों के अनुसार सभी निर्वाचनों के लिए एकसमान मतदाता सूची बनेगी और राष्ट्रव्यापी चर्चा के बाद एक कार्यान्वयन समूह को गठन होगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक राष्ट्र एक चुनाव विषय को लेकर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की रिपोर्ट को स्वीकार करने के बाद अब इस मुद्दे पर संवैधानिक प्रक्रियाएं शुरू होने के साथ ही व्यापक राष्ट्रीय चर्चा शुरू हो जाएगी। कोविंद समिति की सिफारिशों के अनुसार 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का युगांतरकारी उद्देश्य दो चरणों में लागू होना है, जिसमें पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा का निर्वाचन एक साथ कराना और दूसरे दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय के लिए निर्वाचन (पंचायत और नगर पालिका) कराना शामिल है। सिफारिशों के अनुसार सभी निर्वाचनों के लिए एकसमान मतदाता सूची बनेगी और राष्ट्रव्यापी चर्चा के बाद एक कार्यान्वयन समूह को गठन होगा। एक साथ नगर निकायों से लेकर संसद के चुनाव कराने की प्रक्रिया को कुछ आसान बनाने के लिए ही इस संपूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक कसरत को दो भागों में बांटा गया है। अब देखना यह है कि मोदी सरकार का यह अति महत्वाकांक्षी सपना किस तरह साकार होता है, क्योंकि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का नारा जितना लुभावना लगता है उतना आसान कतई नहीं है। इसके लिए महत्वपर्ण संविधान संशोधनों के साथ ही राष्ट्रीय सहमति की भी महती आवश्यकता है और विपक्ष से और कम से कम विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से इस विचार को समर्थन मिलने की संभावना को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिरे से खारिज कर दिया है। इस समय पक्ष और विपक्ष जानी दुश्मन का जैसा व्यवहार कर रहे हैं।

भाजपा अपने बलबूते पर नहीं बल्कि सहयोगी दलों के समर्थन से सत्ता में है। हाल ही में मोदी सरकार को जिस तरह कुछ निर्णयों को लेकर बैकफुट पर आना पड़ा उससे सरकार के एक साथ चुनाव कराने की महत्वांकाक्षी योजना के भविष्य पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है। इधर, फिर भी आशावादी विचारकों और खास कर भाजपा समर्थकों का मानना है कि जब मोदी सरकार पिछले कार्यकाल में धारा 370 को हटाने का जैसा बहुत ही टेढ़ा काम कर सकती है तो यह भी कर लेगी। मोदी सरकार को अपनी मजबूती साबित करने के लिए भी यह जटिल कार्य करना पड़ रहा है।

भारत के संविधान में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर एक साथ चुनाव का प्रावधान नहीं है। इस विचार को धरातल पर उतारने के लिए संविधान में संशोधन के लिए राजनीतिक सहमति और एक लंबी प्रक्रिया की आवश्यकता होगी। राज्य विधान सभाओं और लोकसभा के लिए निश्चित शर्तें समकालिक नहीं हैं। इन शर्तों के समन्वय के लिए दोनों स्तरों पर संवैधानिक संशोधन और कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी। संविधान के जानकारों के अनुसार इसके लिए कम से कम संविधान के 5 अनुच्छेदों में संशोधन करना पड़ेगा।

अनुच्छेद 83 खंड (2) के तहत लोकसभा का कार्यकाल ठीक 5 साल तय किया गया है। संसद के सत्र के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 85 में प्रावधान किया गया है। भारत में किसी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल संविधान के अनुच्छेद 172 द्वारा निर्धारित किया गया है। यह अनुच्छेद निर्दिष्ट करता है कि राज्य विधान सभा का सामान्य कार्यकाल पांच वर्ष होगा। लेकिन इसे कुछ परिस्थितियों में राज्य के राज्यपाल द्वारा पहले भी भंग किया जा सकता है, जैसे कि जब विधानसभा बहुमत का विश्वास खो देती है या जब राज्यपाल इसके विघटन की सिफारिश करता है। संविधान आपातकाल की घोषणा की स्थिति में विधानसभा के कार्यकाल के विस्तार की भी अनुमति देता है। इसी अनुच्छेद में प्रावधान है कि जब आपातकाल की उद्घोषणा प्रवर्तन में है, तब संसद विधि द्वारा ऐसी अवधि एक बार में एक वर्ष तक बढ़ा सकेगी और उद्घोषणा के प्रवर्तन में न रह जाने के पश्चात किसी भी दशा में उसका विस्तार छह मास की अवधि से अधिक नहीं होगा।

राज्य की संवैधानिक मशीनरी के खराब होने की स्थिति में केंद्र सरकार अनुच्छेद 356 में प्रदत्त शक्ति का उपयोग कर राज्य के प्रशासन का नियंत्रण ग्रहण करता है। इस अनुच्छेद को 'राष्ट्रपति शासन' भी कहा जाता है। लेकिन अब इस अनुच्छेद का इस्तेमाल आसान नहीं रह गया है। केंद्र शासित प्रदेशों, जिनकी अपनी विधान सभाएं नहीं हैं, की विशिष्ट स्थिति को समायोजित करने के लिए भी आवश्यक प्रावधान करने होंगे।

अनुच्छेद 324 में संशोधन कर एक साथ चुनावों के समन्वय के लिए चुनाव आयोग को अतिरिक्तअधिकार और जिम्मेदारियों के साथ सशक्तबनाना होगा ताकि आयोग समय से पहले बिना राज्य सरकार की सहमति से भी चुनाव तिथियां घोषित कर सके।

आजादी के बाद पहले चुनाव से लेकर 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए गए। लेकिन दलबदल, राजनीतिक अस्थिरता तथा अनुच्छेद 356 के बार-बार इस्तेमाल के कारण एक साथ चुनाव का क्रम टूटता गया।

अविश्वास प्रस्ताव के जरिये राज्य सरकारें समय से पहले गिरती रही है और खण्डित जनादेश के कारण विधानसभा नई बहुमत की सरकार चुनने की स्थिति में नहीं रहीं। अब अविश्वास प्रस्तावों और विधान सभाओं के विघटन से संबंधित प्रासंगिक प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता भी होगी। चुनाव के समय में बदलाव के लिए दसवीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) में संशोधन भी करना होगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत में संवैधानिक संशोधनों के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत और कम से कम आधे राज्य विधानमंडलों द्वारा समर्थन की आवश्यकता होती है। ऐसी आम सहमति हासिल करना और संविधान में सफलतापूर्वक संशोधन करना एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है।

तर्क दिया जा रहा है कि जब निर्वाचन आयोग महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के चुनाव एक साथ नहीं करा सकता और बंगाल जैसे राज्य में 7 चरणों में चुनाव होते हैं तो सारे देश में एक साथ चुनाव कैसे कराओंगे? एक साथ चुनाव के पक्ष में धन की बचत का तर्क भी दिया जा रहा है लेकिन भारत जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में चुनाव कराने के लिए व्यापक साजो-सामान योजना और संसाधनों की आवश्यकता होती है। एक साथ चुनाव होने से चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों और प्रशासनिक मशीनरी पर भारी दबाव पड़ेगा। देश के हर कोने में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, प्रशिक्षित कर्मियों और पर्याप्त बुनियादी ढांचे की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक कठिन काम होगा। नयी व्यवस्था से राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित हो सकता है और क्षेत्रीय चिंताओं की उपेक्षा हो सकती है, जो संभावित रूप से संघवाद को कमजोर कर सकती है।

एक साथ चुनाव को लेकर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न दलों के बीच राजनीतिक सहमति हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। विपक्षी दल वैसे ही इस विचार से विचलित नजर आ रहे हैं। जिन परिस्थितियों में यह कदम उठाया जा रहा है उनसे संदेह स्वाभाविक भी है। आजादी के बाद सन् 1951-52 में जब भारत के निर्वाचन आयोग को न तो कोई तजुर्बा था और न ही इतने संसाधन थे फिर भी ग्राम स्तर से लेकर संसद तक के चुनाव एक साथ कराए गए थे। उस समय राज्य सभा और राज्यों की विधान परिषदों के चुनाव भी एक साथ कराए गए थे। उस दौरान तीन तरह के राज्य थे। संचार के संसाधन नगण्य थे। सड़कें नहीं थीं। टेलीफोन सुविधा न होने से सूदूर क्षेत्रों में वायरलेस की व्यवस्था की गयी थी। एक सदस्यीय निर्वाचन आयोग था, जिसके मुखिया सुकुमार सेन थे। परिस्थितियां बिल्कुल भिन्न है। संसाधनों की कोई कमी नहीं है। कमी है तो राजनीतिक सहमति की।

बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा में भले ही एनडीए को बहुमत हो, लेकिन एक देश एक चुनाव को पास कराने का नंबर गेम नहीं है। बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए को 543 सदस्यीय लोकसभा में 293 सांसदों और 245 सदस्यीय राज्यसभा में से 119 सांसदों का समर्थन हासिल है। इससे महज संसद में काम नहीं चलने वाला, किसी संवैधानिक संशोधन को पारित करने के लिए प्रस्ताव को लोकसभा में साधारण बहुमत के साथ-साथ सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त होना आवश्यक है। एक देश एक चुनाव के लिए संवैधानिक संशोधन की प्रक्रिया को अपनाना होगा। इसके लिए मतदान के दिन लोकसभा के सभी 543 सदस्य उपस्थित हों तो विधेयक को पारित करने के लिए 362 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता मोदी सरकार को पड़ेगी। लोकसभा में विपक्षी गठबंधन के 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में एनडीए के पास 115 सांसद हैं और छह मनोनीत सदस्यों का समर्थन है, जबकि विपक्षी गठबंधन के 85 सदस्य हैं। ऐसे में मतदान के दिन राज्यसभा के सभी सदस्य मौजूद हों तो दो तिहाई यानी 164 सदस्य का समर्थन चाहिए होगा। एक देश एक चुनाव के विरोध करने वाली 15 पार्टियों की संसद में कुल सदस्य संख्या 205 है। कांग्रेस, सपा, आरजेडी, शिवसेना सहित सभी विपक्ष दल इसके विरोध में खड़े हैं, जिसके चलते अमलीजामा पहनाना आसान नहीं है।

# भारत का होने वाला था पाकिस्तान जैसा हाल, इंजीनियर खिलाड़ी आ गया बीच में

एक बार तो लगा, बांग्लादेश के आगे भारत का हाल पाकिस्तान जैसा न हो जाए, क्योंकि चेन्नई में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारत का टॉप ऑर्डर पूरी तरह विफल रहा। कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली बेहद सस्ते में चलते बने, लेकिन लोकल ब्वॉय रविचंद्रन अश्विन ने घर पर रविंद्र जड़ेजा के साथ मिलकर जो पारी खेली, उसने भारत को संकट से उभार दिया है। सुबह जब टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले फील्डिंग चुनी तो लगा, भारत एक बड़ा स्कोर मेहमान टीम के आगे खड़ा करेगा, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा मात्र 6 रन बनाकर पैवेलियन लौट गए। शोभमन गिल ने खाता नहीं खोला। विराट कोहली भी 6 रन बनाकर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल जरूर कुछ देर पिच पर खड़े रहे और उन्होंने अपना अर्द्धशतक पूरा कर 56 रन बनाए, लेकिन ऋषभ पंत (39) और केएल राहुल (16) ने निराश ही किया। एक समय भारत का स्कोर 6 विकेट पर 144 रन था। यूं लग रहा था कि बांग्लादेश की गेंदबाजी के आगे हमारे बल्लेबाज 200-225 रन पर ढेर हो जाएंगे, लेकिन रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी ने पहला दिन समाप्त होने तक 195 रन की पार्टनरशिप कर दी और भारत का स्कोर 339 रन तक पहुंचा दिया। अभी दोनों नाबाद हैं। यहां रविचंद्रन अश्विन की तारीफ करनी होगी, जो शतक लगा चुके हैं। आठवें बल्लेबाज के रूप में

टेस्ट क्रिकेट में चार शतक लगाकर उन्होंने न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी की बराबरी कर ली है। 38 साल की उम्र में शतक लगाने वाले क्लब में भी वो शामिल हो गए हैं। रविचंद्रन अश्विन चेन्नई के रहने वाले हैं। यहीं पले-बड़े हैं। उनके पिता भी चेन्नई में क्रिकेटर थे और एक क्लब के लिए तेज गेंदबाजी किया करते थे। रविचंद्रन अश्विन ने खेल के लिए पढ़ाई से समझौता नहीं किया। उन्होंने आईटी में बी.टेक की डिग्री ली है। रविचंद्रन अश्विन को बतौर ऑल राउंडर भारतीय टीम में शामिल किया जाता है। टेस्ट क्रिकेट में यदि बैटिंग की बात करें तो वो अब तक 100 टेस्ट मैचों में 3309 रन बना चुके हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 5 शतक और 14 अर्द्धशतक हैं। रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट में 516 विकेट ले चुके हैं और सबसे कम पारियों में 300 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम पर दर्ज है। रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट में 10 बार मैन ऑफ द सीरीज रहे हैं, ऐसा कोई भारतीय खिलाड़ी आज तक नहीं कर सका है। ऐसा करने वाले वो दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हैं। 6 फीट 2 इंच लंबे और 38 वर्षीय रविचंद्रन अश्विन का इंटरनेशनल करियर काफी लंबा है। जून 2010 को उन्होंने अपना पहला वनडे मैच खेला था। इसी महीने उन्होंने टी-20 में पदार्पण किया, लेकिन टेस्ट मैच खेलने के लिए उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ा। रविचंद्रन अश्विन ने अपना पहला टेस्ट मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 2011 में खेला। रविचंद्रन अश्विन के शतक और रविंद्र जडेजा के अर्द्धशतक की बदौलत भारत चेन्नई टेस्ट में थोड़ी मजबूत स्थिति में दिखाई दे रहा है। यदि यह दोनों बल्लेबाज कुछ और देर पिच पर जमे रहेंगे तो भारत बड़ा स्कोर खड़ा कर सकता है। सच में रविचंद्रन अश्विन केवल गेंद के जादूगर नहीं हैं, बल्कि वो बल्ले से भी जादू करना जानते हैं।

# मौसम के रस रंगः बरखा है ये भादो की, बरसे तो बड़ी बरसे

*मौसम के जितने शेड्स भारत देश में पाए जाते हैं, उतने किसी दूसरे मुल्क में नहीं। इतना भर नहीं है। यहां हर मौसम का सेलिब्रेशन है। ऋतुओं के हिसाब से पर्व, त्योहार और उत्सव हैं। मौसम के अनुसार बदलते खान-पान हैं। बदलती जीवन शैली है। कुल मिलाकर हर मौसम अपने साथ उल्लास लेकर आता है। इन दिनों देश पर भादो मास का खुमार और वर्षा ऋतु का उल्लास छाया हुआ है। वर्षा चौथी हिंदी ऋतु है। इसके बाद शरद ऋतु का आगमन होगा। इब्ने इंशा भादो की विशेषता कुछ यूं ही बयां करते हैं। फागुन के बादल जहां छुटपुट बरसकर निकल जाते हैं वहीं भादो जब बरसता है तो खूब ही बरसता है। दूर-दूर से उमड़ते-घुमड़ते खूब कारे-कजरारे बादल आते और छाते चले जाते हैं। सूरज बादलों के पीछे गायब हो जाता है। हर तरफ छांह-छांह सी हो जाती है। ठंडी बयार बहने लगती है। पेड़-पालौ झूमने-मचलने लगते हैं। पंछी कोलाहल करते हैं। पपीहा पी को पुकारने लगता है और मयूर नाचने लगता है। बस यूं लगता है कि पूरी कायनात ही इन बादलों के आगमन ने मदमस्त हो रही है। फिर जब बूंदें टूट-टूटकर बिखरने लगती हैं तो उससे एक मधुर सा संगीत पैदा होता है। पेड़ों की पत्तियों पर गिरती ये बूंदें शांति का संगीत पैदा करती हैं। तपती-तरसती धरती अपना आंचल फैला देती है। सीली-सीली सी हवा इधर-उधर भागती फिरती है। मानो सभी को अपनी आगोश में ले सकने को आतुर हो रही है। एक बार जब झड़ी लगती है तो खूब-खूब बारिश होती है। भादो का महीना अपने साथ उल्लास लाता है। मन खिला-खिला सा हो जाता है। सावन की तरह ही भादो का महीना भी बड़ा ही रूमानियत भरा है। भादो की बूंदें प्रेमियों को अपने रस में भिगो डालती हैं। भादो को भाद्रपद भी कहते हैं। यह वर्षा ऋतु का आखिरी मास है। इस साल भादो 20 अगस्त से शुरू हुआ और इस महीने 17 सितंबर को यह मास खत्म हो जाएगा। बरखा ऋतु जून के आखिर में शुरू होती है। हिंदी मास के हिसाब से देखें तो इस ऋतु के दो प्रमुख मास हैं। सावन और भादो। यह दोनों ही मास खूब बसरते हैं। इब्ने इंशा कहते हैं,भादो के बाद आसौं में भी हल्की बारिश हो ही जाती है। 17 सितंबर के बाद आसौं (आश्विन) या कुंवार शुरू हो जाएगा। कुंवार से शरद ऋतु का आगमन हो जाता है। यहां से न सिर्फ बारिश बल्कि गर्मी की भी विदाई शुरू हो जाती है।*

# कटनी समेत चार जिलों को नर्मदा का पानी 13 साल बाद भी नहीं मिला, निर्माण में घोटाले के आरोप

## लेटलतीफी पर हाईकोर्ट ने सरकार से मंगाई स्टेटस रिपोर्ट

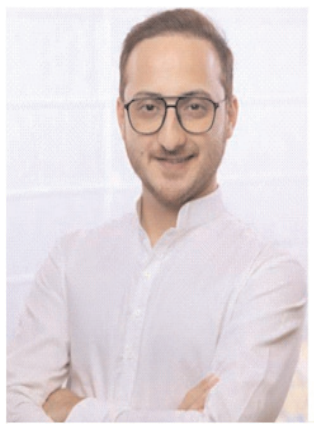

**सुनील यादव । सिटी चीफ** कटनी, युं.कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिव्यांशु मिश्रा अंशू की जनहित याचिका में अधिवक्ता वरुण तनखा ने तर्क देते हुए कहा कटनी सहित मैहर, सतना और रीवा जिलों में 13 साल बाद भी नही मिला पानी।कटनी जिले में स्लीमनाबाद के समीप बनाई जा रही नर्मदा दायी तट नहर की टनल 13 साल गुजरने के बाद भी अधूरी पड़ी है।जिससे कटनी के साथ मैहर, सतना और रीवा जिले के लोगों को पीने और सिचाई के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध नही हो पा रहा है।निर्माण में लेटलतीफी और अनुबंध की शर्तो का उल्लघन कर ठेकेदार को करोड़ो का अतिरिक्त भुगतान किया जा रहा है।शहरवासियों को पानी मिलने में की जा रही हीलाहवाली पर युंका जिलाध्यक्ष व समाजसेवी दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष जनहित याचिका दायर की।याची के अधिवक्ता वरुण तनखा ने मामले पर पैरवी करते हुए प्रोजेक्ट में निर्धारित समय से 13 वर्ष अधिक गुजर जाने और 799 करोड़ के ठेके में 1450 करोड़ रुपये भुगतान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अनेक तर्क और तथ्य प्रस्तुत किये।जिस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और विनय सराफ़ की बेंच प्रदेश शासन को चार सप्ताह में स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं।अधिवक्ता हर्षित बारी,बन्मित सरना ने भी याचिकाकर्ता का पक्ष रखा।गौरतलब है कि बरगी व्यपवर्तन परियोजना में नर्मदा दायीं तट नहर से कटनी के साथ मैहर, सतना और रीवा जिले तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।जिसमे किलोमीटर क्रमांक 104 से 129तक 12 किमी लम्बाई की टनल व 13 किमी ओपन नहर के निर्माण के लिए टर्न - की टेंडर के तहत हैदराबाद की कम्पनी पटेल इंजीनियरिंग-एस ई डब्ल्यू( संयुक्त उपक्रम)ने 26/03/2008 को विभाग के साथ अनुबंध किया था।ठेके की लागत 799 करोड़ और समयसीमा 40 माह निर्धारित की गयी थी।जो 25/07/2011 को पूर्ण हो गई।समयसीमा गुजरने के बाद अब तक 6 बार समयवृद्धि दी जा चुकी है लेकिन अभी भी टनल का निर्माण पूरा नही हो पाया है।निर्माण एजेंसी को अब तक 799 करोड़ रुपये के अनुबंध के विरुद्ध लगभग 1500 करोड़ रुपयों से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।टर्नकी टेंडर के अनुबंध की शर्तों और नियमो में बदलाव का खेल करते हुए विभागीय अधिकारियों ने सर्वे,ग्राउटिंग , डी- वाटरिंग और सॉफ्ट निर्माण के नाम पर करीब 90 करोड़ रूपये से अधिक का घोटाला कर लिया है। टर्नकी बेस टेंडर होने पर भी ग्राउंड ग्राउटिंग कार्य के लिएअलग से टेंडर जारी किया गया। जिसमे करीब 13करोड़ 23 लाख रुपये इंदौर की कंपनी को भुगतान किया गया।जबकि यह कार्य ठेकेदार के मूल अनुबंध में शामिल था। हाल ही में 5 जुलाई 2024 को फिर से विभाग ने 4 करोड़ 80 लाख का गैरजरूरी टेंडर जारी किया है।





टर्नकी टेंडर होने पर भी टनल निर्माण के दौरान डी-वाटरिंग के नाम पर घपला करते हुए अभी तक 50 करोड़ (49.87 करोड़) रूपये का भुगतान निर्माण एजेंसी को किया जा चुका है।

डाउन स्ट्रीम की टीबीएम मोहदापुरा (स्लीमनाबाद) में बिगड़ने पर सुधार के लिए जब निर्माण एजेंसी अनुबंध के मुताबिक साफ्ट बना रही थी तभी अधिकारियों ने कालांतर में टनल की मरम्मत के नाम पर पक्का शाफ्ट बनाने के लिए 26 करोड़ रुपये स्वीकृत कर यह काम बिना टेंडर के निर्माण कंपनी को ही देते हुए 13 करोड़ 56 लाख का भुगतान कर दिया है।

6. सॉफ्ट निर्माण का काम जोड़कर निर्माण एजेंसी को दोनो टीबीएम बाहर लाने में ठेकेदार को सहूलियत दी गई। जानबूझकर 9 महीने में अब तक सॉफ्ट न बनाकर काम में लेटलटीफी की जा रही है। जबकि डाउन स्ट्रीम मशीन के सुधार के लिए एक शाफ्ट और कार्य पूर्ण होने पर अप स्ट्रीम टीबीएम को बाहर निकालने के लिए दूसरा शाफ्ट बनाना पड़ता जिसमे करीब 10 करोड़ रूपये खर्च होते।मामले पर अगली सुनवाई 18/10/2024 के लिए निर्धारित की गई है।

# नवागत पुलिस कबाड़ के अवैध व्यापार पर मारा छापा, दो आरोपी गिरफ्तार

## 6 लाख का माल जप्त, एक फरार आरोपी की तलाश जारी

**सुशिल सोनी । सिटी चीफ** कोतमा, नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने अनूपपुर जिला में पदस्थ होते ही जिले में बढ़ रहे अपराध की रोकथाम के उद्देश्य से अवैध रूप से कबाड़ के ठीकों को बंद करने के लिए दिए थे कोयलांचल क्षेत्र में खुलेआम अवैध रूप से कबाड़ खरीदी के ठीहे संचालित थे जिस कारण घरों में घुसकर चोरी भरे बाजार से दो पहिया वाहनों की चोरी चलती महिलाओं से लूट की घटनाएं घटित हो रही थी जिससे आम जनों का जीवन यापन दुसभर हो गया था आए दिन घरों में चोरी दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी एवं घरों के ताले तोड़कर चोरी किए जाने की वारदात पर निरंतर प्रगति हो रहा था जिस पर रोक लगाने के लिये प्रथम दृष्टि अवैध रूप से संचालित कबाड़ दुकानों पर प्रतिबंध लगाया ज्ञात रहे की कोतमा में खुलेआम बबलू जायसवाल संतोष बसर एवं वार्ड क्रमांक 10 में अनवर के द्वारा अवैध रूप से कबाड़ की खरीदी कर चोरों को चोरी करने का प्रोत्साहित कर रहे थे जिस पर रोकथाम हुआ है थाना प्रभारी कोतमा ने बताया कि बीती रात पुलिस ने गस्त के दौरान मूखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की एक 409 चार पहिया वाहन में चोरी के लोहे के कबाड़ लोड होकर परिवहन होने की सूचना पर मौके से जाकर रेड कार्रवाई की गई, तो मौके पर 409 वाहन क्रमांक एमपी- 18-व्व-24 33 मौके से मिली वाहन को चेक करने पर वाहन में चोरी के लोहे का कबाड़ भरा पाया गया जिसके संबंध में चालक रवि सिंह पिता ओंकार सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी जरवाही थाना बुढार जिला शहडोल, से पूछताछ करने पर कि लोहे कबाड़ के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं होना बताया, बबलू जायसवाल निवासी मनमारी कोतमा के पास से लोड कराकर कपिल जैन उर्फ बड्डे जैन निवासी बुढार के पास लेकर जाना बताया उक्त चोरी लोहे कबाड़ के संबंध में कोई दस्तावेज पेश न करने पर चालक आरोपी रवि सिंह से उक्त वाहन में लोड 04 टन माल कीमत एक लाख रुपए एवं वाहन की कीमत 5 लाख रुपए कुल 6 लाख रुपए का जप्त कर आरोपी चालक रवि सिंह,बबलू उर्फ मुकेश जायसवाल एवं कपिल उर्फ बड्डे जैन के खिलाफ अपराध क्रमांक 400/24 धारा 303(2), 317(5), 61(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया, आरोपी रवि सिंह पिता ओंकार सिंह एवं बबलू उर्फ मुकेश जायसवाल पिता श्रीमन जयसवाल निवासी मनमारी कोतमा को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है, आरोपी बबलू जायसवाल के खिलाफ थाना कोतमा, थाना भालूमाडा में 4 से 5 मामले पूर्व से पंजीबध्द हैं , उक्त मामले के एक आरोपी कपिल जैन और बड्डे जैन मामले में फरार है।




# प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नही मिलने पर सौंपा ज्ञापन

## पात्र लोगों का नाम हटाकर अपात्रों को दिया जा रहा लाभ

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नही मिलने से परेशान दलित परिवार के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को ग्राम फावका निवासी दर्जनों दलित परिवार के लोग प्रांतीय बलाई महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम मालवीय के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और यहां एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपकर बताया कि गांव के जिम्मेदारों ने पात्र लोगों का नाम हटाकर अपात्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया है। ज्ञापन में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग की गई है। वहीं मामले में बलाई महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मालवीय का कहना है कि जातिगत पक्षपात के चलते दलितों को योजना से वंचित रखा गया है। यदि पीड़ितों को न्याय नही दिया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

बीमा योजना की पूरी जानकारी एवं संशोधित प्रीमियम चार्ट जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट https://www.mpinfo.org/ पर उपलब्ध है।

# दमोह में कौशल एवं रोजगार मेला आज मानस भवन में प्रातः 11 बजे से

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ** दमोह, मध्य प्रदेश शासन कौशल एवं रोजगार विभाग द्वारा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन मे आज 20 सितम्बर को मानस भवन, शासकीय जिला अस्पताल के सामने दमोह में प्रातः 11 बजे से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया रोजगार मेले में संभावित यूनो मिन्डा गुड़गांव, गेल स्केलिंग एण्ड प्लेंसमेंट गुना, स्किल विजन पीथमपुर, श्रीराम स्किलिंग जबलपुर, निपुन मल्टी सर्विस औरंगाबाद, वर्धमान यार्न सतलापुर रायसेन, शिवशक्ती जबलपुर, संदीप एरीगेशन जबलपुर, आटोमोबाईल, मिन्डा, इत्यादि कम्पनियों में ट्रेनिंग उपरांत प्लेसमेंट कराया जायेगा। गोल्डन फार्मर प्राईवेट लिमिटेड सागर, भारतीय जीवन बीमा निगम दमोह, पुखराज हेल्थ केयर, ग्रेनुअल आर्गनिक, माई लाईफ स्टाईल, चेकमेट सिक्यूरिटी सर्विस बरौदा, कम्पनियों में स्वास्थ सलाहकार सेल्समेन सिक्यूरिटी गार्ड, फील्ड अधिकारी, ट्रेनीज, हेल्पर, अप्रिन्टस हेतु भर्ती की जायेगी। उन्होंने बताया जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नात्तोकोत्तर, आई.टी.आई एवं डिप्लोमा हो एवं आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच हो, वे कार्यालय के पंपलेट एवं दिए क्यू.आर.कोड से अपना रजिस्ट्रेशन कर रोजगार मेले में उपस्थित हो सकते है।

# केएलजीएम इंटर कालेज नकुड में छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग के विशेष शिविर का आयोजन हुआ

## कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को करियर काउंसलिंग के साथ-साथ परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन की विशेष जानकारी दी




**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** सहारनपुर । नकुड़, केएलजीएम इंटर कालेज नकुड में आज छात्र- छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग के विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने छात्र- छात्राओं को करियर काउंसलिंग के साथ- साथ परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन की विशेष जानकारी दी। कार्यक्रम में सर्वोदय इंटर कॉलेज पिलखुआ हापुड के सेवानिवृत प्रधानाचार्य डॉक्टर जयशंकर आत्रेय ने छात्र-छात्राओं को समय प्रबंधन करने, चीजों को सरल तरीके से याद रखने तथा करियर काउंसलिंग की बारीकियों से परिचित कराया। कार्यक्रम का आयोजन विद्या पब्लिकेशन मेरठ के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन गौरव मिश्रा ने छात्र-छात्राओं का आव्हान किया कि वे अपनी समस्याएं शिक्षकों के साथ अवश्य शेयर करें। इस अवसर पर विद्यालय के टॉपर, हिमानी, शिवांश वत्स, तुषार, अनु को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुभाष गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में सहेंद्र पाल सिंह, अरुण शर्मा, स्वराज वत्स, हरेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, सलीम मोहम्मद सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

# 02 अक्टूबर को आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम, स्वच्छता ही सेवा के अभियान से आम जनमानस को जोडें

## गांधी जयन्ती के अवसर पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में हुयी बैठक



**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र एवं एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में 02 अक्टूबर गांधी जयन्ती के अवसर पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक आहूत की गयी।बैठक में प्रभात फेरी, सफाई व्यवस्था, खादी प्रदर्शनी एवं सूत कताई, रक्तदान शिविर, सर्व धर्म सभा, भाषण प्रतियोगिता, मद्य निषेध, वृक्षारोपण, पैदल चाल प्रतियोगिता, सहभोज आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। बैठक में रजनीश कुमार मिश्र ने कहा कि 02 अक्टूबर को सभी राजकीय भवनों एवं शिक्षण संस्थाओं पर राष्ट्रीय ध्वज प्रातः 08 बजे फहराया जाये। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के बडे चित्र का अनावरण व माल्यापर्ण किया जाये तथा रामधुन गाने आदि का आयोजन किया जाए। राजकीय भवनों, कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, इमारतों तथा बाजार में 01 व 02 अक्टूबर की रात्रि में रोशनी की व्यवस्था की जाये। इस अवसर पर नगर निगम को नगर में सफाई व्यवस्था एवं रोशनी के लिए निर्देश दिये गये एवं नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में अधिशासी अधिकारियों को बेहतर साफ- सफाई कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला पंचायत राज अधिकारी को दी गयी। उन्होने 02 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान में बडी संख्या में नागरिकों की भागीदारी करने के साथ परम्परागत कचरा वाले चुनौतीपूर्ण स्थलों को चिन्हित करके उन्हें साफ करने का अभियान चलाया जाए। 02 अक्टूबर को रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को व्यवस्था करने के लिए कहा गया। गांधी जयन्ती के अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी को जनपद में पूर्ण मद्य निषेध के निर्देश दिये गये। डीएफओ को वृक्षारोपण करवाने के लिए स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिये। पैदल चाल प्रतियोगिता का सफल आयोजन करवाने के लिए संयोजक क्रीडा अधिकारी को जिम्मेदारी दी गयी। जनपद में स्थित चौराहों पर स्थापित स्वतंत्रता सैनानी एवं अमर शहीद की प्रतिमाओं के आस-पास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये गये। साथ ही साथ माल्यार्पण करने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गयी। इस अवसर पर सरफराज खान, सुरेन्द्र कपिल, महेन्द्र तनेजा, दलजीत सिंह कोचर, राजेश जैन, जयनाथ शर्मा, ब्रित चावला सहित डिप्टी कलेक्टर दीपक कुमार, तहसीलदार तथा अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

## आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बर्तनों की उपलब्धता एवं भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के दिए निर्देश

# मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला पोषण समिति की बैठक



**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पोषण अभियान के अन्तर्गत गठित जिला पोषण समिति एवं जिला कन्वर्जन समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समीक्षा के दौरान पोषण ट्रैकर पर मेजरिंग एफिशिएंसी होम- विजिट ज्ञ ।।क्र डिस्ट्रीब्यूशन की फीडिंग तथा अन्य सभी घटकों की फीडिंग प्रत्येक माह शत- प्रतिशत करने के निर्देश दिए। पोषण ट्रैकर पर चिन्हित कुपोषित तथा अति कुपोषित बच्चों को वीएचएसएनडी पर लाकर उनकी स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यकता पड़ने पर सीएचसी- पीएचसी/ एनआरसी संदर्भित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने प्रत्येक ड्ढ ।।स्ह्ढ सत्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने समस्त वेइंग स्केल लेकर सत्र पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। देवबंद में ह्वक्रस्ञ्ज की समीक्षा में देवबंद द्वारा कोई भी बच्चा विगत तीन माहों में एडमिट नहीं किया गया है जिसके लिए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा रोष व्यक्त किया गया। सुमित राजेश महाजन ने हॉट कुक फूड के अंतर्गत समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बर्तनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने एनआरएलएम विभाग को जनपद में स्थापित 7 ज्ञ ।।क्र इकाइयों में गुणवत्तापूर्ण पोषाहार का उत्पादन सुनिश्चित करने के साथ ही उनका समय से वितरण भी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों के कायाकल्प, लर्निंग लैब तथा सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 18 मानकों के अनुसार अवसंरचना संबंधी व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

वित्तीय वर्ष 2023- 24 में स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्र भवन के निर्माण के संबंध में भी समय अंतर्गत तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण हेतु समस्त खंड- विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार, डीसी एनआरएलएम, डीसी मनरेगा, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्दलाल प्रसाद, समस्त खंड विकास अधिकारी तथा पोषण समिति के समस्त सदस्य, जनपद के समस्त सीडीपीओ उपस्थित रहे।



# जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आधार सेंटर का किया औचक निरीक्षण

## क्षमता के अनुसार ही वितरित करें टोकन : डीएम मनीष बंसल

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने पंत विहार स्थित आधार केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आमजन से सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। डीएम मनीष बंसल ने सेंटर संचालक को निर्देश दिए कि आधार सेंटर की क्षमता के अनुसार ही टोकन वितरित किए जाएं जिससे अव्यवस्था न हो। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं सडक पर भीड न हो इसके लिए पुलिस की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि संभव हो तो आधार सेवा केन्द्र को पर्याप्त स्थान वाले स्थल पर स्थानान्तरित किया जाए। जिससे परिसर के अंदर ही आधार सेवा केन्द्र के साथ आवेदकों के बैठनें एवं लाईन में खडे होने की व्यवस्था हो। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, सेंटर संचालक, आधार सेवा केन्द्र का स्टाफ एवं आवेदक उपस्थित रहे।

# शाजापुर में आवारा मवेशियों और कुत्तों ने मचा रखा है आतंक

## आतंक पर रोक लगाने हेतु पार्षद ने सौंपा ज्ञापन

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, शहर के मोहल्लों, चौराहों और तंग गलियों में आवारा मवेशियों और कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। सबसे ज्यादा परेशानी कुत्तों के काटने और बाइक के पीछे दौडने से हो रही है। ऐसे में समस्या के समाधान को लेकर पार्षद प्रतिनिधि ने नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन एवं नपा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को पार्षद प्रतिनिधि नीरज वैष्णव ने सौंपे गए ज्ञापन में वार्ड क्रमांक 13 तथा अन्य वार्डों में कुत्तों के बढ़ते आतंक पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि वार्ड में बच्चों को निशाना बनाने के साथ ही आवारा कुत्ते बाइक सवारों के पीछे दौडक़र हादसों का कारण बन रहे हैं, जिन्हे रोका जाना बेहद आवश्यक है।

**हर गली में कुत्ते बैठे हैं**

उल्लेखनीय है कि शहर में आवारा गायों के साथ ही आवारा कुत्ते लोगों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। कुत्तों के आतंक के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो प्रतिदिन जिला अस्पताल में एक दर्जन से अधिक लोग कुत्ता काटे का शिकार होकर पहुंच रहे हैं, परंतु बावजूद इसके जिम्मेदार मवेशियों एवं आवारा कुत्तों को शहर से बेदखल करने की कोई ठोंस योजना नही बना पाए हैं। नतीजतन हर गली में आवारा कुत्ते बैठे हैं जो लोगों पर हमला कर अस्पताल पहुंचा रहे हैं। ज्ञापन देते समय शोऐब मेव भी मौजूद थे।

# सदस्यता के लक्ष्य को पूरा करना प्रत्येक कार्यकर्ता का लक्ष्य हो-विनोद गोटिया

## भाजपा के सदस्यता अभियान की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित, भाजयुमो द्वारा लगाया रक्तदान शिविर

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है, जिनके परिश्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं अन्य राज्यों में सरकार के रूप में नेतृत्व करते हुए आज विकसित भारत और समृद्ध भारत की कल्पना और संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। यह बात मप्र पर्यटन विकास निगम के पूर्व चेयरमैन एवं सदस्यता अभियान के संभाग प्रभारी विनोद गोटिया ने कही। वे गुरुवार को शाजापुर जिला कार्यालय पर आयोजित सदस्यता अभियान के निमित्त प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक एवं भाजयुमो द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होने कहा यह सदस्यता वर्ष 2047 के लिए मोदी जी के संकल्प विकसित भारत को विश्व गुरु पर स्थापित करने के लिए एवं सत्ता और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए चलाया जा रहा है। हम सब कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए सदस्यता अभियान को आगे बढने का काम करेंगे। सदस्यता लक्ष्य को पूरा करना प्रत्येक कार्यकर्ता का लक्ष्य होना चाहिए और बूथ पर हमारी शक्ति को बड़े इसके लिए हर समाज के घर-घर जाकर लोगों को भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनाना और संगठन की विचारधारा से जोडना यह हम सब का कर्तव्य होना चाहिए। सदस्यता अभियान ही हमारा मुख्य आधार है, भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और पराकाष्ठा के साथ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर खड़ी है यह वट वृक्ष आगे बढ़ता रहे और हर बूथ पर 200 से अधिक सदस्य बनना इस संकल्प को लेकर कार्यकर्ता जुड़ेंगे तो निश्चित ही हमारी ताकत बढ़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए कार्यकर्ता अपना परिश्रम करते हुए जिले के लक्ष्य को पूर्ण करेंगे जब जिले का लक्ष्य होगा तब प्रदेश का होगा, तब केंद्र संगठन का होगा, इसके लिए हम 200 से अधिक सदस्य बनाने का संकल्प लेकर सदस्यता लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए हर समाज के लोगों को भाजपा की प्राथमिक सदस्य से जोड़ें। शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि कार्यकर्ता भाजपा की केंद्र राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थी हितग्राहियों को भी हम भाजपा का प्राथमिक सदस्य बना कर उनका सम्मान करें। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष के युवाओं को भी हम सबसे अधिक पार्टी की प्राथमिक सदस्यता बनाकर युवाओं को भाजपा की विचारधारा से जोडना यह हम सब कार्यकर्ताओं का संकल्प होना चाहिए, क्योंकि युवा ही हमारी आने वाली पीढ़ी इस देश के नव निर्माण में सहायक होगी।

**भाजयुमो ने लगाता रक्तदान शिविर**- भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला शाजापुर द्वारा जिला कार्यालय पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

# शिक्षा मंत्री के बयान पर बिफरे अतिथि शिक्षक

## नारेबाजी कर जताया विरोध

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, अतिथि वह शिक्षक जिसने प्रदेश की लडखड़ाती शिक्षा व्यवस्था को संभालने का काम किया, लेकिन आज वही अतिथि शिक्षक अपने सुरक्षित भविष्य को लेकर नियमितीकरण की मांग कर संघर्ष करने को मजबूर है। ऐसे में सरकार के द्वारा अतिथि शिक्षकों को नियमित करने हेतु कोई ठोंस कदम तो नही उठाए जा रहे हैं, बल्कि सरकार के मंत्री अतिथियों का अपमान कर रहे हैं जिसे बर्दाश्त नही किया जाएगा। यह बातें गुरुवार को अतिथि शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आशीष शर्मा ने बस स्टैंड पर शिक्षा मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कही। शर्मा ने कहा कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने बेतुका बयान दिया है कि क्या मेहमान हो तो घर पर कब्जा कर लोगे। मंत्री का यह बयान प्रदेश के 70 हजार अतिथि शिक्षकों का अपमान है जिसको लेकर नारेबाजी की गई है। साथ ही मंत्री को चेतावनी है कि वह अतिथि शिक्षकों से माफी मांगें अन्यथा पूरे प्रदेश में पुतला फूंका जाएगा। शर्मा ने कहा कि मेहमान एक दिन, या फिर कुछ माह के लिए आते हैं, लेकिन जो मेहमान 15 सालों से घर में रहता है वह घर पर कब्जा करता है। अतिथि शिक्षक भी वही मेहमान हैं जो 15 सालों से प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को संभाले हुए हैं और अब सरकार को सभी अतिथियों को नियमित किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक मौजूद थे।

## शाजापुर जिला इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम आभार पत्र जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर एवं डिप्टी कलेक्टर सत्येन्द्र सिंह को सौंपा

### इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शिंदे, ब्लाक अध्यक्ष राजा राठौर समेत अन्य लोग शामिल रहे

**भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ** शाजापुर, मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देश पर शाजापुर जिला इकाई ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम संबोधित आभार पत्र जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर एवं डिप्टी कलेक्टर सत्येन्द्र सिंह को सौंपा। साथ ही मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। जिला इकाई के अध्यक्ष मनोज जैन ने बताया विगत दिवस मुख्यमंत्री ने संघ की मांग पर घोषणा की है कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी। प्रदेश के पत्रकारों से गत वर्षों की तरह ही प्रीमियम लिया जाएगा। साथ ही पत्रकार बीमा योजना में फॉर्म भरने के लिए निर्धारित तिथि 20 सितम्बर से बढ़ाकर 25 सितम्बर 2024 की गई है।

इस अवसर पर जिला इकाई ने श्रमजीवी पत्रकारों का पांच लाख का बीमा निशुल्क किए जाने की मांग दोहराई है। साथ ही संघ ने पत्रकारों और उनके परिजनों को आयुष्मान योजना में जोड़ने की भी मांग की है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शिंदे, आदित्य शर्मा, उमेश टेलर, ब्लाक अध्यक्ष राजा राठौर, अनिल मुकाती, अजय सिंह कुशवाह, कमल सूर्यवंशी, सुनील हंचोरिया, शहजाद खान, इमरान अंसारी, हेमंत आर्य, ओपी प्रजापति, अनुराग श्रीवास्तव, तेजकरण चौहान, शाकिर शेख, मोहित भावसार, मोहित राठौर, संजय सक्सेना, सुनील भाटी, गय्यूर खान, संजय गोस्वामी, इमरान राजा, इरफान मंसूरी, बंटी व्यास, मुकेश राठौर, अजय वर्मा, सलमान खान, नितिन परमार, शुभम मौर्य, अजहरुद्दीन, आनंद मेवाड़ा उपस्थित थे।

# पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से मनोहर अग्रवाल ने की भेंट

**लकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ** लालबर्रा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी के छिंदवाड़ा आगमन पर 19 सितंबर को शाम 7:30 बजे शिकारपुर स्थित निवास पर पहुंचकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मनोहर अग्रवाल ने भेंट की एवं जिले व प्रदेश के राजनितिक हालात पर चर्चा की साथ ही बालाघाट आने के लिए आमंत्रित किया जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी ने आश्वस्त किया कि वे जल्द समय निकालकर बालाघाट पहुंचेंगे।विदित हो कि श्री कमलनाथ जी के ऑफिस से आज का समय देकर श्री अग्रवाल को छिंदवाड़ा बुलवाया गया था।

# विशेष समुदाय और सांसद इमरान मसूद पर अभद्र टिप्पणी करने की युवक की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, आरोपी युवक गिरफ्तार

**गौरव सिंघल । सिटी चीफ** देवबंद (सहारनपुर)। देवबंद नगर में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से एक युवक द्वारा वक्फ संशोधन कानून को लेकर विशेष समुदाय और सहारनपुर सांसद इमरान मसूद पर अभद्र टिप्पणी की गई। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। जिससे गुस्साए लोगों ने आरोपी को गिरफ्तार किए जाने की मांग को लेकर दो बार कोतवाली का घेराव किया। जिसके बाद पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और बाद में आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार कर लिया। वीडियो में मोहल्ला कायस्थवाड़ा शिव चौक निवासी युवक अभय टंडन उर्फ तनु टंडन वक्फ संशोधन बिल को लेकर धर्म विशेष और कांग्रेस के सहारनपुर सांसद इमरान मसूद को लेकर अभद्र टिप्पणी कर रहा था। वीडियो के वायरल होने के बाद लोगो में रोष पनप गया और लोग इकट्ठा होकर कोतवाली पहुंचे और हंगामा करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस ने बामुश्किल उन्हें शांत किया। पुलिस ने नगर के चौधरी कलीम की तहरीर पर आरोपी के विरूद्ध विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने आरोपी अभय टंडन उर्फ तनु को उत्तराखंड के भगवानपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

### स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कार्यक्रम के दौरान

# स्वच्छता ही सेवा अभियान की दिलाई गई शपथ

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ** दमोह, स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, सांसद राहुल सिंह लोधी, मध्यप्रदेश के पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व मंत्री एवं विधायक जयंत कुमार मलैया, विधायक उमा देवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, भा.ज.पा. जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि-गणमान्य नागरिक, सम्मानीय मीडिया प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे। स्वच्छता ही सेवा अभियान की शपथ दिलाते हुये कहा महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ़ राजनैतिक आज़ादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया। अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। मैं शपथ लेता हूँ कि में स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूंगा। हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा। मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूंगा। सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मोहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा। मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं। इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा। मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा। मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

### पत्रकार बीमा योजना में बढ़े हुए प्रीमियम का भार राज्य सरकार उठाएगी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

# बीमा के लिए ऑनलाइन आवेदन अब 25 सितम्बर तक

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ** दमोह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्रकारों के हित में संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा बढ़ायी गयी प्रीमियम राशि का भार राज्य सरकार द्वारा वहन करने का निर्णय लिया है। साथ ही बीमा के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख भी 20 सितम्बर से बढ़ाकर 25 सितम्बर कर दी गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ, पत्रकार साथी दिन-रात एक करके विषम परिस्थितियों में देश और समाज की सेवा करते हैं। विभिन्न पत्रकार संगठनों द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम में वृद्धि की गई है। अतः हमने निर्णय लिया है कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी। योजना में शामिल होने वाले पत्रकारों से गत वर्षों की तरह ही प्रीमियम लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों बंधुओं के साथ हर कदम पर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही।

# विधायक संजय गायकवाड़ के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने कांग्रेस पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

**लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ** लालबर्रा, शिंदे सेना का बुलढाणा (महाराष्ट्र) के विधायक संजय गायकवाड़ के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने कि मांग को लेकर 19 सितंबर दिन गुरुवार को थाना प्रभारी श्री हेमन्त नायक को कांग्रेस पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपे हैं। वहीं ज्ञापन पत्र में उल्लेख है कि शिंदे सेना के विधायक संजय गायकवाड़ (महाराष्ट्र) के द्वारा राहुल गांधी जी को कहा गया कि राहुल गांधी जी कि जीभ काटने पर 11 लाख रुपए दूंगा इस तरह कि धमकी दी है। राहुल गांधी के पिता स्व श्री राजीव गांधी ने एवं उनकी दादी स्व इंदिरा गांधी ने देश के लिए शहादत दी है तथा राहुल गांधी कि रगो में उनका हि रक्त बह रहा है तथा वह सच्चे देश भक्त है हमारे माननीय सर्वोच्च सदन के नेता के प्रति अपशब्दों एवं धमकी का सार्वजनिक रूप से प्रयोग कर उनका अपमान किया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पुर्व अध्यक्ष श्री राहुल गांधी के विरुद्ध शिंदे सेना के विधायक संजय गायकवाड़ ने हमारे माननीय कांग्रेस नेता के प्रति अपशब्दों का सार्वजनिक रूप से अपमान किया है। समस्त कांग्रेस जन उपरोक्त भाजपा नेताओं के अर्नगल बयानबाजी तथा राहुल गांधी का अपमान करने तथा उनकी जीभ काटने कि धमकी देने पर सभी कांग्रेस जन आहत हुए हैं संजय गायकवाड़ महाराष्ट्र विधायक के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता कि धारा 192,351(2),352(3), 352(4) के तहत प्रकरण दर्ज कराकर तत्काल गिरफ्तार किया जाये तथा उनके विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराकर कठोर से कठोर दण्ड दिया जाये, जिससे कि देश को बांटकर देश में साम्प्रदायिक सद्भाव ताकतों को सबक मिल सके। वहीं प्रेस से चर्चा करते हुए हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाउराम गाढेश्वर ने बताया कि हमारे प्रिय जननायक नेता श्री राहुल गांधी जी के उपर जो अभद्र टिप्पणी कि गई है आज हम लोग लालबर्रा थाने में एफआईआर दर्ज कराने आये थे, ऐसे लोगों पर कठोर से कठोर कार्यवाही हो। वहीं कार्यवाही कि मांग करने वालों में प्रमुख रूप से भाउराम गाढेश्वर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, श्रीमती लक्ष्मी वघाड़े अध्यक्ष महिला कांग्रेस, धर्मेंद्र ढाण्डें उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, मुनेन्द्र ठाकरे, श्रीमती प्रेमलता बिसेन ब्लांक अध्यक्ष महिला कांग्रेस व सरपंच औल्याकन्हार, मनीराम भोयर जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि,बलेश रहांगडाले सरपंच बहेगांव, कैलाश नखाते सरपंच प्रतिनिधि खारी,मुकेश खरे,ओ पी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि, शैलेष केकती, प्रेम मर्सकोले, मुनेन्द्र ठाकरे,दीपक तोमर,सतानंद दमाहे पुर्व सरपंच, विनोद ठाकरे,अनिल नागेश्वर, प्रशांत चन्द्रवार, सहित अन्य सभी लोगों ने कार्यवाही कि मांग किए हैं।

# स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सफाई

## मित्रों का साल-श्रीफल से किया सम्मान

### राज्यमंत्री, सांसद, विधायक व पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने किया सम्मानित

**धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ** दमोह, स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत आज कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में सफाई मित्रों का साल-श्रीफल से सम्मान प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद राहुल सिंह लोधी, प्रदेश के पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व वित्त मंत्री और विधायक जयंत कुमार मलैया, विधायक उमादेवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौवर पटैल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी ने किया। इस मौके पर स्वच्छता मित्रों का जिसमें 03 बच्चे थे जो लगातार सफाई कार्यक्रम में शामिल हुए का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा बड़ी ही प्रसन्नता का विषय है कि 17 सितम्बर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आप सतायु हो, दीर्घायु हो। उन्होंने कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि आने वाले समय में स्वच्छता को लेकर मध्यप्रदेश नम्बर वन का प्रदेश बने ये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का संकल्प है। उन्होंने कहा दमोह में सभी लोग प्रयास कर रहे है, तो आने वाले समय में दमोह का नंबर भी स्वच्छता के मामले में अग्रणी हो।

प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा दमोह में तालाबों की सफाई का काम और दूसरे काम हो रहे है। उन्होंने आग्रह करते हुये कहा कि आप सभी भी इस काम में लगे, लोगों में जागरूकता फैलाए की स्वच्छता सबसे अच्छी बात है और हमारा जिला प्रदेश में नंबर एक पर आये, ऐसा हम चाहते है, सभी का सहयोग रहेगा तो निश्चित रूप से यह काम कठिन नहीं।

सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा सफाई मित्रो का और समाज सेवियों का सम्मान किया गया। दमोह में जागरूकता आ गई है। मंत्रीगण, विधायकगण और अधिकारिगणों ने जहाँ-जहाँ सामाजिक संगठन कार्य करते है, इस महीने सभी जगह जाकर उपस्थिति दी और सेवा- स्वच्छता के कार्य किये। उन्होंने कहा सब लोग मिलकर काम करेंगे और प्रयास रहेगा कि दमोह भी पहले 10 शहरों की लिस्ट में स्वच्छता के क्षेत्र में शामिल हो।

उन्होंने कहा सरकार, सत्ता, संगठन अधिकारी सब एक गाड़ी के पहिए है और चारो मिलके काम करते है। अधिकारी अपने दायित्व निभाते है, जनप्रतिनिधि अपने दायित्व निभाते है। जब कोई भी कार्य होता है चाहे वो अधिकारियों द्वारा हो या जनप्रतिनिधियों द्वारा हो, उद्देश्य एक है अंत्योदय को लेकर, अंतिम व्यक्ति को लेकर समाज तक सेवाए-सुविधाएं पहुंचे, उसके लिए सारे अधिकारी और जनप्रतिनिधि काम कर रहे है।

# एसईसीएल की जिला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक हुई आयोजित

### अभियान चलाकर कैंप के माध्यम से पात्र लोगो को दिया जाए रोजगार एवम मुआवजा कलेक्टर ने दिए दिशा निर्देश

**यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ** अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में आज अनूपपुर जिले के साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड जमुना कोतमा क्षेत्र की जिला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक गेस्ट हाउस भालूमाड़ा में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर को पूर्व में सम्पन्न बैठक की कार्यवाही से अवगत कराया गया तथा रोजगार एवं पुनर्वास के प्रकरणों के प्रगति के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा श्री अजीत तिर्की, जनरल मैनेजर एसईसीएल कोतमा श्री एच.एस. मदान, सब एरिया मैनेजर श्री विपिन कुमार, उप महाप्रबंधक श्री डी.के. रघुवंशी सहित एसईसीएल के अन्य अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने एसईसीएल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोल इंडिया पुनर्वास नीति एवं मध्यप्रदेश पुनर्वास नीति के अंतर्गत रोजगार एवं भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा पात्र व्यक्ति को अभियान चलाकर कैंप के माध्यम से रोजगार एवं मुआवजा दिलाया जाए। कलेक्टर ने कहा कि विवादित अधिग्रहीत भूमि को छोड़कर सभी भू स्वामियों को पात्रता के अनुसार मुआवजा देने की कार्यवाही शीघ्र ही प्रारंभ किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने एसईसीएल के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि रोजगार संबंधी जो भी शिकायतें प्राप्त होती है, उसे प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। बैठक में एसईसीएल के अधिकारियों द्वारा कलेक्टर को अवगत कराया गया कि आमाडांड़ खुली खदान परियोजना हेतु सीबीए एक्ट के तहत 605 लोगों को रोजगार स्वीकृत किया गया था जिसमें 75 लोगों को अभी तक रोजगार मुहैया कराया गया है तथा 429 लोग रोजगार हेतु शेष है। इसी प्रकार एलए एक्ट के अंतर्गत अर्जित भूमि के तहत 870 रोजगार स्वीकृत है, जिनमें से 668 लोगों को रोजगार दिया जा चुका है तथा 202 लोगों के रोजगार के प्रकरण अभी लंबित हैं। जिनमें कुछ प्रकरण कोर्ट में विचाराधीन है एवं कुछ प्रकरणों पर पारिवारिक विवाद होने के कारण सामंजस्य की स्थिति नहीं बनने से भी रोजगार मुहैया नहीं कराया जा सका है। बैठक में कलेक्टर ने ग्रामवार विस्थापन की अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिस पर अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आमडांड़ खुली खदान परियोजना के अंतर्गत ग्राम टिमकीटोला, निमहा एवं कोहका के कुल 655 में से 410 परिवारों को विस्थापन की राशि मुहैया कराई जा चुकी है तथा शेष 245 परिवारों के विस्थापन की राशि के प्रकरण शेष है, जो नामांकन, बंटवारा, नक्शा तरमीम एवं आपसी विवाद के कारण लंबित है। जिस पर कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा को प्रकरणों का निराकरण कर एसईसीएल को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने एसईसीएल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसईसीएल के हैवी वाहन जो एमपीआरडीसी एवं पीएमजीएसवाय की सड़क पर चलते हैं तथा उसके कारण मार्ग क्षतिग्रस्त होता है, उन सड़कों को चिन्हित कर जानकारी कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित करें तथा सड़क मरम्मत कार्य का कार्ययोजना बनाकर सड़क को दुरुस्त कराया जाए। जिससे लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मुहैया हो सके। बैठक में कलेक्टर ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा कर समस्याओं एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था हेतु मानक उपकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि कोल माइंस में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम होने चाहिए। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक ने कोल माइंस की सुरक्षा व्यवस्था, कॉलरी में कार्य कर रहे प्रत्येक व्यक्ति के प्रमाणित दस्तावेज, डिजास्टर मैनेजमेंट, फायर सेफ्टी सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए

# गो प्रतिष्ठा आंदोलन - गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा 22 सितंबर से 26 अक्टूबर 2024 तक

**सुशील सोनी । सिटी चीफ (अनुपपुर रिपोर्टर)** भोपाल, भोपाल में गो ध्वज को स्थापित कर गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने पहुंचेंगे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी । सनातन धर्म में वेद, उपनिषद, पुराणों सहित समस्त धर्म शास्त्रों में गो की महिमा गई है। गाय को पशु नहीं अपितु माता की प्रतिष्ठा दी गई है यही सनातन धर्मी हिंदुओ की पवित्र भावना है, आस्था है। इसी धार्मिक आस्था हेतु संविधान एवं कानून में गाय को राज्य सूची से हटाकर केंद्रीय सूची में डालकर गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने तथा गौहत्या मुक्त भारत बनाने के लिए संपूर्ण भारत में गौ प्रतिष्ठा आंदोलन चलाया जा रहा है। स्वतंत्रता प्राप्त से ही निरन्तर गौमाता की प्रतिष्ठा एवं रक्षा के प्रयास होते रहे है जिसमें 1966 के धर्म सम्राट यतिचक्रचूडामणि पूज्य करपात्री जी महाराज जी के नेतृत्व में हुआ प्रचलित गौरक्षा आंदोलन है जिसके लिए हजारों गौभक्तों का बलिदान हुआ था। इसी क्रम में गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाकर गोहत्या मुक्त भारत बनाने हेतु परम गोभक्त पूज्य गोपाल मणि जी ने गौ प्रतिष्ठा आंदोलन का नेतृत्व कर देशभर में इसे जीवन्त रखा तथा इस पवित्र अभियान में चारो पीठों के जगद्गुरु शंकराचार्यों का आशीर्वाद प्राप्त किया। चारो पीठों के पूज्य जगद्गुरू शंकराचार्यों द्वारा अभिषिंचित एवं समर्थित गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने एवं गौहत्या बंदी कानून हेतु देश में गौ संसद का आयोजन हुआ जिसमें रामा गौ प्रतिष्ठा संहिता बिल सहित 42 बिंदु का धर्मादेश भी पारित किया जा चुका है । गौ प्रतिष्ठा के इस अभियान को प्रज्वलित करने हेतु गौ घृत की ज्योति को प्रकाशित कर ज्योर्तिमठ के परम पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज जी ने इस आंदोलन का निर्देशन कर रहे है जिन्होंने 14 मार्च से लेकर 28 मार्च 2024 तक नंगे पैर पदयात्रा गोवर्धन से दिल्ली तक भी की । पूज्य जगद्गुरू ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी के निर्देशन में आज गौ प्रतिष्ठा का अभियान निरन्तर देशभर में गतिमान है जिन्होंने इस संवत्सर को गौ संवत्सर के रूप में घोषित भी किया है। पूज्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के निर्देशन एवं नेतृत्व में संपूर्ण भारत में गौ प्रतिष्ठा आंदोलन के अंतर्गत गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा दिनांक 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक होनी निश्चित हुई है जो भारत के समस्त 37 प्रदेशों की राजधानियों तक जाएगी तथा वहां एक गो ध्वज की स्थापना की जाएगी। गो प्रतिष्ठा आंदोलन के संयोजक पूज्य गोपाल मणि जी महाराज भी पूरे समर्पण और शक्ति के साथ यात्रा की सफलता हेतु प्राण-प्रण से शंकराचार्य जी के साथ हर कदम में साथ रहेंगे। प्रत्येक राज्य की राजधानियों में विशाल गो प्रतिष्ठा सम्मेलन का दिव्य भव्य आयोजन होगा जिसका श्रीगणेश गोरक्षक, गोभक्त भगवान श्रीराम जी की राजधानी अयोध्या से होगा जहां भगवान रामलला के रूप में विद्यमान हैं जहां से यह पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, उत्तर होते हुए 26 अक्टूबर को देश की राजधानी दिल्ली में होगी। पूज्य जगद्गुरू शंकराचार्य जी द्वारा समस्त भारत के प्रखर गोभक्तो को सम्मानित भी किया जाएगा।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पूज्य शंकराचार्य स्वामिश्री अविमुक्तेश्वरानंद जी 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक गो ध्वज की स्थापना, गो महासभा को संबोधित करेंगे। इसके उपरांत वो अग्रिम यात्रा हेतु तेलंगाना को प्रस्थान करेंगे। इस गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा का लक्ष्य संपूर्ण भारत में गो प्रतिष्ठा आंदोलन हेतु समस्त राष्ट्र के गोभक्त हिन्दुओं को जागृत कर एक सूत्र में पिरोने का है तथा गोमाता की दुर्गति , गो हत्या के कलंक को मिटाकर कर, पशु के अपमान से हटा कर राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाना है।

इस गो ध्वज स्थापना पद यात्रा का सूत्रवाक्य है = गौ माता, राष्ट्र माता - राष्ट्र माता, भारत माता गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा के उपरांत देश की राजधानी दिल्ली में गोपाष्टमी के अवसर पर 7, 8 और 9 नवंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी गो प्रतिष्ठा महासम्मेलन होगा जो भारत की सरकार को गौहत्या के कलंक को मिटाकर गौमाता को राष्ट्रमाता की प्रतिष्ठा दिलाने हेतु निर्णायक होगा। इस ऐतिहासिक यात्रा की पूर्व तैयारी हेतु आज दिनांक 18 सितंबर 2024 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पहुंचे ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के प्रतिनिधि एवं यात्रा के संयोजक ब्रह्मचारी मुकुंदानंद जी तथा सह-संयोजक गोभक्त विकास पाटनी जी, प्रदेश यात्रा संयोजक अखिलेश ब्रह्मचारी जी ने मीडिया को संबोधित किया। इसमें मुख्य रूप से के.जी पाठक महेंद्रानंद जी दीपक शास्त्री संदीप व्यास साध्वी प्राची गोस्वामी महेंद्र भार्गव मनोहर लाल जयसवाल, ए एल द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

### स्कूल के नौ निहाल की जान से खिलवाड़ करते स्कूल पिक एंड ड्राप वेन स्कूल प्रशासन नही दे रहा ध्यान

# जैतहरी के ग्लोबल पब्लिक और सरस्वती शिशु मंदिर के स्कूल का है मामला

**यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ** अनूपपुर, अनूपपुर जैतहरी के प्राइवेट स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जिस वेन में स्कूल आते जाते है उनकी हालत इतनी गंभीर है की वे चंद मुनाफे के लिए मैजिक गाड़ी जिसकी क्षमता ज्यादा से ज्यादा 10 या 12 लोगो की होती है उसमे कमसे कम 30बच्चे लाते ले जाते नजर आते है ये स्कूल के नौ निहाल मैजिक के गेट पर लटके हुए भी अपना स्कूल से घर और घर से स्कूल का सफर तय करते है जिससे कभी भी कोई भी अनुचित घटना हो सकती है ।इस बारे में जब स्कूल प्रशासन से बात की तो स्कूल प्रशासन अपना पल्ला झाड़ते हुए बच्चो के अभिभावक को ही इसके जिमेदार ठहराने लगे स्कूल प्रशासन का कहना है की हमारे स्कूल के वाहन नही है ये प्राइवेट वाहन है ये क्या करते है इसकी जबाबदारी हमारी नही है आपने। बताया है तो हम उन्हे समझा देंगे , क्या स्कूल प्रशासन की जबबदारी सिर्फ बच्चो के स्कूल में रहने तक की है या इसकी भी जबाबदारी है ये बच्चे स्कूल से सही सलामत अपने घर भी पहुंच जाए ।। स्कूल प्रशासन से बात करने के दौरान ये भी पता लगा की कुछ दिनों पहले एक बच्चा ऐसी ही एक मैजिक से गिर गया था ।।। कृपया पुलिस प्रशासन इसे गंभीरता से लेते हुए इन स्कूल वाहनों कार्यवाही करे और दुबारा इस तरह ये बच्चो के जान से खिलवाड़ न कर सके इसका भी ध्यान रखे , एवम माननीय कलेक्टर सर से भी ये अनुरोध है की इस तरह बच्चो के वाहनों में ओवर लोडिंग न हो इस पर संज्ञान लेते हुए इसके लिए जो जो जिम्मेदार है उन पर कड़ी कार्यवाही करे ।।

# लोक सेवा प्रदान की गारंटी के उल्लंघन पर कलेक्टर ने जिले के 62 सचिव पर 35750 शास्ति अधिरोपित की

लोक सेवा प्रबंधन
मध्य प्रदेश शासन

**यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ** अनूपपुर, मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2010 देश का पहला ऐसा अधिनियम था,जिसके तहत नागरिकों को तय समय सीमा में सार्वजनिक सेवाएं देने की गारंटी दी गई थी।लेकिन लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत,अगर कोई व्यक्ति निर्धारित समय सीमा में सेवाएं नहीं देता,तो उसे त्रुटिकर्ता माना जा सकता है और उस पर शास्ति लगाई जा सकती है। इसी तारतम्य में कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली ने अनूपपुर जिले के चारों जनपद पंचायत अनूपपुर,जैतहरी,कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अनूपपुर जिले के चारों जनपद के विभिन्न पंचायत के सचिव को मिलाकर 62 पर 35750 की शास्ति अधिरोपित की है।इसके पूर्व भी जिला प्रबंधक लोक सेवा प्रबंधन जिला अनूपपुर सोनू सिंह राजपूत ने भी औचक निरीक्षण कर कमियां पाई जाने पर शास्ति अधिरोपित की थी। कलेक्टर अनूपपुर ने अपने आदेश में कहा है कि मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारण्टी अधिनियम, 2010 के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं को समय सीमा के भीतर निराकरण करना है।आपके द्वारा समय सीमा में सेवा प्रदाय न करना म.प्र. लोक सेवाओं के प्रदान की गारण्टी अधिनियम 2010 की धारा 5 (1), (2) का उल्लंघन है।अधिनियम के विहित प्रावधान अनुसार अधिसूचित सेवाओं का लाभ प्रदान करने हेतु ऑनलाईन सेवा देने में विफल रहे है।म.प्र. लोक सेवाओं के प्रदान की गारण्टी अधिनियम, 2010 में विहित प्रावधानों के तहत् अधिनियम की धारा 7 (1) (क) के तहत शास्ति अधिरोपित की जाती है।साथ ही उन्होंने निर्देशित किया है अधिरोपित शास्ति 3 दिवस के अंदर जमा कराते हुए जमा राशि की स्लिप कार्यालय कलेक्टर (लोक सेवा प्रबंधन) अनूपपुर में उपलब्ध कराने निर्देश दिए गए हैं। जन्म का अप्राप्यता प्रमाण पत्र में अनूपपुर जनपद के एक ग्राम पंचायत सचिव को 500,कोतमा जनपद के एक ग्राम पंचायत सचिव को 500,पुष्पराजगढ़ जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायत सचिव को 21500,जनपद जैतहरी के विभिन्न ग्राम पंचायत सचिव को 7250,मृत्यु का अप्राप्यता प्रमाण पत्र जनपद जैतहरी के एक ग्राम पंचायत सचिव को 500, जनपद पुष्पराजगढ़ के विभिन्न ग्राम पंचायत सचिव को 4500,विवाह का पंजीयन जनपद पंचायत अनूपपुर के एक सचिव को 500,जन्म के 1 वर्ष के पश्चात् पंजीयन के लिए अनुमति नायब तहसीलदार वृत पसान को 500 इस तरह कुल 35750 शास्ति अधिरोपित की गई है।

## थाना कोतवाली अनुपपुर में स्वछता ही सेवा 2024 पखवाड़ा के तहत ली गई शपथ

**यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ** अनुपपुर, गुरुवार की सुबह थाना कोतवाली परिसर में रामचंद्र यादव जिला खेल प्रशिक्षक अनूपपुर, नयन कुमार मिश्रा योग प्रशिक्षक जन अभियान परिषद, थाना प्रभारी कोतवाली टी.आई. अरविंद जैन की उपस्थिति में थाना कोतवाली में पदस्थ समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा स्वछता ही सेवा 2024 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 पखवाड़ा के अंतर्गत अपने निवास, कार्यस्थल एवं आसपास के स्थान में स्वछता बनाए रखे जाने के संबंध में शपथ ग्रहण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नयन कुमार मिश्रा जी सभी पुलिस अधिकारी कर्मचारियों को जीवन में स्वछता के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। एवम सभी पुलिस कर्मी भाईयो एवम अधिकारियों ने स्वछता ही सेवा के तहत शपत ग्रहण की।। इस शपत में पुलिस अधिकारियो एवम कर्मचारियों ने ये शपत ली की मैं सर्वप्रथम खुद न गंदगी करूंगा और न ही किसी को करने दूंगा ।। एवम आज मैं जो ये शपत ले रहा हु और भी 100लोगो को ये शपत ग्रहण करवाऊंगा।।। और इस तरह अपने देश को स्वछ रखुगा।

## कनाडा ने इस साल अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 35 फीसदी कम वीजा दिए

**ओटावा।** कनाडा ने अप्रवासन नियमों में सख्ती करते हुए अप्रवासी कामगारों की संख्या पर लगाम लगाई है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय छात्रों को जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या भी कम की गई है। गौरतलब है कि कनाडा ने इस साल यानी 2024 में 35 फीसदी कम 4,85,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वीजा जारी किए हैं। अगले साल कनाडा सरकार इसमें भी 10 प्रतिशत की कटौती कर इसे 4,37,000 करने का एलान कर चुकी है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि हम इस साल 35 प्रतिशत कम अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कनाडा आने की इजाजत दे रहे हैं। अगले साल इन नंबर्स में भी 10 फीसदी की कमी की जाएगी। हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अप्रवासन एक फायदेमंद चीज हैं, लेकिन जब कुछ लोग इस व्यवस्था का गलत फायदा उठाते हैं और छात्रों को दिए लाभ का इस्तेमाल करते हैं तो हम उन पर लगाम भी लगाते हैं। कनाडा के अप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने कनाडा आने वाले अप्रवासियों की संख्या पर लगाम लगाने के लिए कई और कदम उठाने का एलान किया। दरअसल कनाडा में स्थानीय लोग अब अप्रवासियों का विरोध कर रहे हैं। कनाडा में घर खरीदना, स्वास्थ्य सेवाएं अब काफी महंगी हो गई हैं। स्थानीय लोग इसकी एक वजह अप्रवासियों को भी मानते हैं। साथ ही नौकरी के घटते अवसर भी अप्रवासियों के विरोध की वजह बने हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अप्रवासी छात्र वीजा का दुरुपयोग करते हैं। यही वजह है कि विरोध के बीच कनाडा सरकार ने भी अब अप्रवासन पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए हैं। कनाडा में सत्ताधारी लिबरल सरकार का विरोध भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि ट्रूडो सरकार भी अप्रवासन पर रोक लगाकर मतदाताओं की नाराजगी को दूर करने की कोशिश कर रही है।

## यौन उत्पीड़न मामले में जाने-माने डांस कोरियोग्राफर जानी मास्टर गिरफ्तार

**पणजी।** कोरियोग्राफर जानी मास्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ पूर्व सहकर्मी ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जाने-माने डांस कोरियोग्राफर जानी मास्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर उनके साथ काम करने वाली एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जानी मास्टर का असली नाम शेख जानी है। उन्हें साइबराबाद पुलिस ने गोवा में गिरफ्तार किया। अब उन्हें स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। अदालत से ट्रांजिट वारंट मिलने के बाद उन्हें हैदराबाद लाया जाएगा। इससे पहले जानी मास्टर के खिलाफ हैदराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी। 21 वर्षीय महिला कोरियोग्राफर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने आरोप लगाया था कि उन्होंने कई बार उसका यौन शोषण किया। जानी हाल ही में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री 2 में आई नहीं... को कोरियोग्राफ करने के लिए चर्चा में थे। शिकायतकर्ता के मुताबिक, वह पिछले कुछ महीनों से जानी मास्टर के साथ मिलकर काम कर रही थीं। आउटडोर शूटिंग के दौरान मास्टर ने उनके साथ मारपीट की। महिला की शिकायत के बाद एक जीरो एफआईआर दर्ज की गई और मामला नरसिंगी पुलिस को सौंप दिया गया। जानी मास्टर पर दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और किसी व्यक्ति को जानबूझकर चोट पहुंचाने सहित आईपीसी की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

### कंगना की फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर हाईकोर्ट ने सेंसर बोर्ड को लगाई फटकार

# रचनात्मक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रतता को रोका नहीं जा सकता

**मुंबई।** फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर लगातार कानूनी तलवार लटकी हुई है। हालांकि, अब फिल्म से जुड़े लोगों के लिए राहत की खबर है। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को फटकार लगाते हुए साफ कह दिया कि रचनात्मक स्वतंत्रता और अभिव्यक्तिकी स्वतंत्रतता को रोका नहीं जा सकता। इसके साथ ही सख्त टिप्पणी की कि सेंसर बोर्ड किसी फिल्म को महज इस आधार पर प्रमाणित करने से इनकार नहीं कर सकता कि उसके सामने कानून व्यवस्था की आशंका है। न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदोष पूनीवाला की पीठ ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को प्रमाणपत्र जारी करने के मामले में कोई फैसला नहीं लेने पर नाखुशी जताई। साथ ही 25 सितंबर तक फैसला लेने का आदेश दिया। इसके अलावा, अदालत ने पूछा कि क्या सीबीएफसी को लगता है कि इस देश के लोग इतने भोले हैं कि एक फिल्म में दिखाई गई हर चीज पर विश्वास कर सकते हैं।

**कंगना रनौत पर भी उठे सवाल**- याचिकाकर्ता के इस दावे पर कि सीबीएफसी राजनीतिक कारणों से फिल्म को प्रमाणपत्र जारी करने में देरी कर रही है। इस पर अदालत ने कहा कि फिल्म की सह-निर्माता रनौत खुद भाजपा की सांसद हैं। साथ ही पीठ ने पूछा कि क्या सत्तारूढ़ पार्टी अपने ही सांसद के खिलाफ काम कर रही हैं।

**फिल्म अभिनेत्री ने लगाए थे आरोप**- पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी की भूमिका निभाने के अलावा फिल्म का निर्देशन और सह-निर्माण करने वाली कंगना रनौत ने इस सप्ताह की शुरुआत में सीबीएफसी पर आरोप लगाया था कि फिल्म की रिलीज टालने के लिए प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जा रहा है।

**सीबीएफसी को साफ बात कहने की हिम्मत होनी चाहिए**- पीठ ने कहा कि आपको (सीबीएफसी) कोई न कोई फैसला करना होगा। आपको यह कहने की हिम्मत होनी चाहिए कि यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकती। कम से कम तब हम आपके साहस की सराहना करेंगे। हम नहीं चाहते कि सीबीएफसी को परेशानी में डाल दिया जाए। अदालत जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सीबीएफसी को फिल्म इमरजेंसी के लिए प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

**यह है मामला**- यह फिल्म पहले छह सितंबर को रिलीज होनी थी लेकिन यह फिल्म उस समय विवादों में घिर गई जब शिरोमणि अकाली दल समेत सिख संगठनों ने आपत्ति जताते हुए फिल्म पर समुदाय को गलत तरीके से पेश करने और ऐतिहासिक तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। हाईकोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में सेंसर बोर्ड को फिल्म को तुरंत प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देकर तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा था कि वह मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा जारी निर्देश के मद्देनजर इस स्तर पर कोई तत्काल राहत नहीं दे सकती, जिसमें सेंसर बोर्ड से कहा गया था कि वह फिल्म को प्रमाणित करने से पहले आपत्तियों पर विचार करे। पीठ ने तब सेंसर बोर्ड को फिल्म को प्रमाणपत्र जारी करने के बारे में 18 सितंबर तक निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

**सीबीएफसी के वकील की दलील**- सीबीएफसी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने गुरुवार को अदालत को बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष ने फिल्म को अंतिम फैसले के लिए समीक्षा समिति के पास भेज दिया है। फिल्म को प्रमाण पत्र जारी करने से सार्वजनिक अव्यवस्था की आशंका है।

**हरियाणा के चुनाव के कारण टाली जा रही फिल्म की रिलीज**-जी एंटरटेनमेंट की ओर से पेश वरिष्ठ वकील वेंकटेश धोंड ने कहा कि यह सिर्फ समय बचाने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि फिल्म अक्तूबर से पहले रिलीज न हो जाए, जब हरियाणा में चुनाव होने हैं। पीठ ने कहा कि सीबीएफसी ने अपने पहले के आदेश का पालन नहीं किया और इसकी जिम्मेदारी एक विभाग से दूसरे विभाग पर डाल दी। सेंसर बोर्ड की समूची कवायद 18 सितंबर तक पूरी होनी चाहिए थी।

**क्या इस देश की जनता भोली और मूर्ख है ?**- पीठ ने कहा कि सीबीएफसी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई कि कानून व्यवस्था की समस्या हो सकती है और इसलिए फिल्म को प्रमाणपत्र नहीं दिया जा सकता। अदालत ने कहा कि हमें इसे रोकने की जरूरत है। अन्यथा हम यह सब करके रचनात्मक स्वतंत्रतता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूरी तरह से सीमित कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि क्या सीबीएफसी को लगता है कि इस देश की जनता इतनी भोली और मूर्ख है कि वह फिल्मों में जो कुछ भी देखती है, उस पर विश्वास कर लेती है? रचनात्मक स्वतंत्रता के बारे में क्या? न्यायालय ने यह भी आश्चर्य व्यक्त किया कि लोग फिल्मों में जो दिखाया जा रहा है, उसके प्रति इतने संवेदनशील क्यों हो गए हैं।

# काम के बोझ से सीए की मौत पर हंगामे के बाद केंद्र सख्त

### अब कंपनी पर लगे आरोपों की होगी जांच

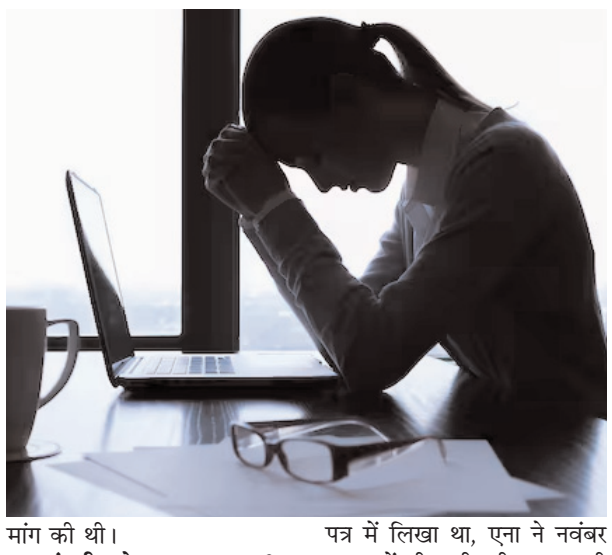

**पुणे।** महाराष्ट्र के पुणे में एक 26 साल की युवती की मौत का मामला तूल पकड़ रहा है। दरअसल, युवती एक जानी मानी कंपनी अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) में चार्टेड अकाउंटेंट थी। उसकी मां ने कंपनी के मालिक को एक पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी से इतना काम लिया कि वह तनाव में आ गई थी। उसके ऊपर लगातार ज्यादा से ज्यादा काम का प्रेशर डाला जा रहा था। इस कारण उनकी बेटी की मौत हो गई। पत्र के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बवाल मच गया। अब केंद्र सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। बता दें, महाराष्ट्र के पुणे की ईवाई कंपनी में 26 साल की एना सेबेस्टियन पिरेयिल ने मार्च 2024 में कंपनी में काम शुरू किया था। वे केरल की रहने वाली थीं। एना की मौत 20 जुलाई को हुई थी। एना की मां अनिता ऑगस्टिन ने ईवाई के भारत प्रमुख राजीव मेमानी को पत्र लिखकर कंपनी की कार्य संस्कृति पर गंभीर आरोप लगाए थे।

अब केंद्रीय श्रम मंत्रालय का कहना है कि उसने शिकायत स्वीकार कर ली है। एना की मौत की परिस्थितियों की जांच की जाएगी।श्रम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, एना की मौत से दुखी हैं। असुरक्षित और तनावपूर्ण वातावरण के आरोपों की गहन जांच चल रही है। हम न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्रम मंत्रालय और मनसुख मंडाविया ने आधिकारिक तौर पर शिकायत को अपने हाथ में ले लिया है।

**भाजपा नेता ने की थी जांच की मांग**- भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर की एक पोस्ट पर मंत्री शोभा ने यह जवाब दिया है। दरअसल, शेखर ने एना की मौत को बहुत दुखद, लेकिन कई स्तरों पर परेशान करने वाला बताया था और अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया में तनावपूर्ण वातावरण के उनके परिवार के आरोपों की जांच की मांग की थी।

**कंपनी ने क्या कहा?**- अर्न्स्ट एंड यंग ने 26 साल की कर्मचारी की दुखद मौत के बाद उसकी मां के पत्र के वायरल होने के बाद बयान जारी किया। अकाउंटिंग फर्म ने कहा कि वे काम के माहौल को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। चार बड़ी कंसल्टेंसी फर्मों में से एक ईवाई ने कहा, हम इस साल जुलाई में 26 साल की एना सेबेस्टियन पिरेयिल के दुखद और असामयिक निधन से बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। हम परिवार को सभी प्रकार की सहायता दे रहे हैं तथा अपने कर्मचारियों को काम करने के लिए एक बेहतर माहौल देने के तरीके खोजेंगे। कंपनी ने आगे कहा, हालांकि कोई भी मदद परिवार को हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता। फिर भी हमने हरसंभव सहायता दी है, जैसा कि हम संकट के समय में करते हैं तथा आगे भी करते रहेंगे। हम परिवार के पत्र को बहुत गंभीरता और विनम्रता से ले रहे हैं। हम सभी कर्मचारियों के कल्याण को सबसे अधिक महत्व देते हैं। भारत में ईवाई फर्म में हमारे एक लाख लोगों के लिए बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध कराने और उन्हें बेहतर बनाने के तरीके ढूंढते रहेंगे।

**मां ने लिखा था भावुक करने वाला पत्र**- मां अनिता ने पत्र में लिखा था, एना ने नवंबर 2023 में सीए की परीक्षा पास की थी। मार्च 2024 में ईवाई में काम शुरू किया। वह एनर्जी से भरपूर थी। इतनी प्रतिष्ठित कंपनी में काम मिलने पर खुश थी, लेकिन सिर्फ चार महीने बाद मेरी दुनिया उजड़ गई, जब एना की मौत की खबर मिली। सबसे दुखद यह है कि उसके अंतिम संस्कार में कंपनी से कोई नहीं पहुंचा।

**बिना थके लगी रही उम्मीदों को पूरा करने में**- मां अनिता ने पत्र में आगे लिखा था कि बेटी की पहली नौकरी होने के कारण एना बगैर थके कंपनी की उम्मीदों को पूरा करने में लगी रही। लगातार काम करने से उसके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा असर हुआ। नौकरी लगने के कुछ समय बाद ही एना को एंग्जायटी, नींद न आना, तनाव जैसी परेशानियां होने लगी थीं। रविवार को भी कर्मचारियों को काम में झोंके रखना कोई सही नहीं ठहरा सकता।

**अंतिम संस्कार में कोई शामिल नहीं हुआ**- मां अनिता ने कहा था कि वह देर रात तक काम करती थी, यहां तक कि वीकेंड्स पर भी उसे काम करना पड़ता था। उसे चैन की सांस लेने का समय तक नहीं दिया जाता था। उसके सहायक प्रबंधक ने एक बार उसे रात में एक काम के साथ बुलाया जिसे अगली सुबह तक पूरा करने को कहा। वह पूरी रात काम करती रही। अगले दिन सुबह बिना आराम किए ऑफिस पहुंची। चौंकाने वाली बात यह है कि ईवाई से कोई भी एना के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ। किसी के पास एक मिनट का समय भी नहीं था कि वह मेरी बेटी के अंतिम संस्कार मे आ जाता?

**दिन-रात काम करने के लिए मजबूर किया**- अपने पत्र के अंत में अनीता ने कंपनी से जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने लिखा, नए लोगों पर इस तरह के कमर तोड़ने वाले काम का बोझ डालना, उन्हें दिन-रात काम करने के लिए मजबूर करना, यहां तक कि रविवार को भी, इसका कोई औचित्य नहीं है...। एना की मौत से ईवाई को जगने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि यह पत्र आप तक गंभीरता के साथ पहुंचेगा। मुझे उम्मीद है कि मेरे बच्चे का अनुभव वास्तविक परिवर्तन की ओर ले जाएगा ताकि किसी अन्य परिवार को उस दुःख और आघात को सहन न करना पड़े जिससे हम गुजर रहे हैं।

**सोशल मीडिया पर मचा बवाल**- मामले ने सोशल मीडिया पर अलग ही जंग छेड़ दी है। यूजर्स दफ्तरों में काम के माहौल को बेहतर करने की मांग कर रहे हैं। कई लोग इसे लेकर दबाव झेलने की क्षमता पर काम करने की सलाह दे रहे हैं। कई लोगों ने ईवाई जैसी कंपनियों में सुधार की मांग की है। कई लोग बेहतर मानसिक स्वास्थ्य, मानवीय कार्य स्थिति और युवा पेशेवरों पर दबाव का पुनर्मूल्यांकन करने की मांग भी कर रहे हैं। एक ट्वीट में यूजर ने लिखा, यह कहा जाना चाहिए कि देर तक काम करने की संस्कृति और अधिक काम करने को न केवल बिग-4, बल्कि कई कॉरपोरेट्स में बढ़ाचढ़ाकर बताया जाता है। इसे आदर्श के रूप में देखने की गलत परंपरा शुरू हो गई है। क्या आपको नारायण मूर्ति का 70 घंटे का कार्य सप्ताह याद है?

### पड़ोसी मुल्क के रक्षा मंत्री के बयान पर बोले अमित शाह

# कांग्रेस हो या पाकिस्तान, दोनों के इरादे और एजेंडा एक

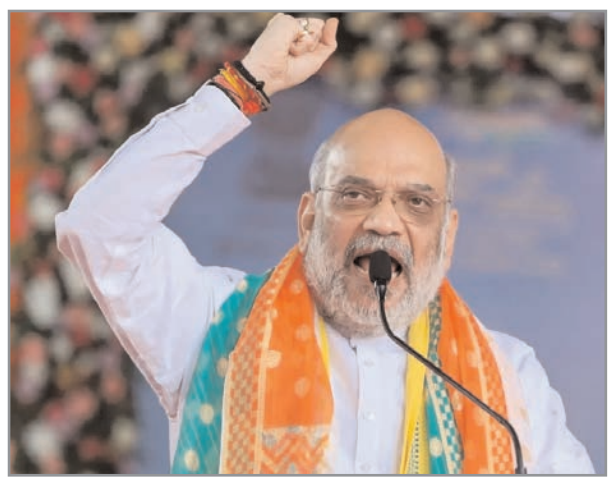

**नई दिल्ली।** भाजपा ने अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन पर निशाना साधा। अमित शाह से लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय तक सभी ने कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस को आड़े हाथ लिया। अमित शाह ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35ए पर कांग्रेस-एनसी के समर्थन की बात ने एक बार फिर कांग्रेस को एक्सपोज कर दिया है। इस बयान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गांधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगने हों, या भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करना हो, राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान के सुर हमेशा एक रहे हैं और कांग्रेस का हाथ हमेशा देशविरोधी शक्तियों के साथ रहा है। लेकिन, कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान यह भूल जाते हैं कि केंद्र में मोदी सरकार है, इसलिए कश्मीर में न तो आर्टिकल 370 वापस आने वाला है और न ही आतंकवाद। वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देने वाला देश है। वह कश्मीर पर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के रुख का समर्थन करता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान और नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35 ए को बहाल करने के लिए एक ही ओर हैं। ऐसा कैसे है कि पन्नू से लेकर पाकिस्तान तक, राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस हमेशा भारत के हितों के विरोधी लोगों के पक्ष में दिखाई देती है?

### पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने क्या कहा था?

पाकिस्तान के एक टीवी कार्यक्रम में वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ शामिल हुए। इस दौरान एंकर ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल किया और कहा कि जम्मू कश्मीर चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 और 35ए जब लागू किया गया था तो उस वक्त केंद्र में पंडित नेहरू और जम्मू कश्मीर में शेख अब्दुल्ला सत्ता में थे। अब एक बार फिर दोनों साथ आए हैं और दोनों ने कश्मीर में आर्टिकल 370 और 35ए लागू करने का वादा किया है। इसे लेकर ख्वाजा आसिफ की प्रतिक्रिया मांगी गई। इस पर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बहुत अच्छा होगा और हम आर्टिकल 370 और 35ए पर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के रुख के साथ हैं।

# बिहार के सभी जेलों में एक साथ छापेमारी, डीएम-एसपी टीम के साथ पहुंचे

**पटना।** बिहार में सभी जेलों में एक साथ छापेमारी हुई। पटना, बेगूसराय, पूर्णिया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, वैशाली, नालंदा समेत कई जिलों के कारा और उपकारा में डीएम और एसपी के नेतृत्व छापेमारी हुई। सुबह-सुबह छापेमारी के साथ जेल के हड़कंप मच गया। पुलिस टीम ने सभी वार्डों की सघन तलाश ली। हालांकि कुछ जेलों में आपत्तिजनक सामान मिले हैं। इधर, कारा महानिरीक्षक के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, जेल में अवेध सामानों की आपूर्ति को रोकने के लिए यह छापेमारी की गई थी। इसके लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। सुबह-सुबह एसपी, एसडीओ व सदर डीएसपी के साथ भारी पुलिसबल छापेमारी चल रही है। छापेमारी में पुलिस जवान के साथ महिला पुलिस बल को भी भी लगाया गया है, ताकि महिला कैदी वार्ड के भी चप्पे-चप्पे की तलाशी ली जा सके।

### बेगूसराय जेल में छापेमारी

बेगूसराय के मंडल कारा में डीएम तुषार सिंगला और एसपी मनीष के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस की छापेमारी करने पहुंची तो कैदियों के बीच हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में पुलिस की मौजूदगी में कैदी वार्डों की तलाशी ली गई। इतना ही नहीं विभिन्न वार्डों में बंद विचाराधीन कैदियों से अधिकारियों द्वारा पूछताछ जारी है। सुबह 9:00 बजे से छापेमारी जारी चल रही है। छापेमारी अभियान में जेल अधीक्षक, एसडीएम व सभी एसडीपीओ और अलग-अलग थानों की पुलिस सहित तकरीबन दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी छापेमारी में मौजूद रहे ।

### मुजफ्फरपुर सेंट्रल जेल में छापेमारी

मुजफ्फरपुर केंद्रीय जेल में आज डीएम एसएसपी और एसडीएम और 25 थाना के साथ में छापेमारी की गई। उसमे सेंट्रल जेल की अलग अलग सेल में सघन जांच किया गया है। इस दौरान में जेल में बंद कई कुख्यात बदमाश शराब तस्कर और जघन्य मामले में बंद अपराधी से पूछताछ की गई। इस दौरान में अलग उनके सेल की जांच पड़ताल किया गया है। इसके साथ ही अन्य बंदियों के अलग अलग सेल की सघन जांच पड़ताल किया गया है। इस दौरान में कोई भी संदिग्ध सामग्री की बरामदगी नहीं हुआ है। पूर्वी चम्पारण के डीएम और एसपी द्वारा सेंट्रल जेल में सघन जांच अभियान चलाया गया। केंद्रीय कारा मोतिहारी मे सुबह आठ बजे दोनों अधिकारी गए और जेल की सघन तालाशी ली जा रही है। इधर, जिले मे बढ़ रही अपराधिक घटनाओं के बाद पुलिस व प्रशासन मे भी बेचैनी है और जिले मे शांति व व्यवस्था को लेकर अधिकारी सभी संभव उपाय मे लगे हुए हैं। जेल मे बंद अपराधियों के संदिग्ध गतिविधियों की जांच के लिए भी जेल मे पुलिस व प्रशासन द्वारा यह छापेमारी की। जांच के दौरान जेल से कैंची, चाकू, बेल्ट के साथ संदिग्ध मोबाइल नंबर भी मिले।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569